सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 323 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 05 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

पुलिस और नक्सलियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ जारी

बस्तर। नक्सलवाद के खिलाफ छत्तीसगढ़ सरकार की कार्रवाई लगातार जारी है। नक्सल उन्मूलन अभियान को तेज करने के लिए एक तरफ जहाँ राजधानी रायपुर में बैठकों का दौर जारी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नारायणपुर, दंतेवाड़ा और बीजापुर सीमा पर पुलिस और नक्सलियों के जबरदस्त मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों के मारे जाने व घायल होने की खबर भी सामने आ रही है। वही नक्सलियों के खिलाफ रायपुर के एक होटल में बड़ी बैठक भी जारी है। बहरहाल इस अभियान में कितने नक्सली मारे गए है और क्या जवानों को भी किसी तरह का नुकसान हुआ है इसकी खबर अभी पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस के शीर्ष अफसर पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाये हुए है।

तालाब में डूबने से मौत

दुर्ग। भिलाई स्थित स्वामी विवेकानन्द तकनीकी विश्विद्यालय के उप-कुलसचिव की तालाब में डूबने से मौत हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ जब उप रजिस्ट्रार भास्कर चन्द्राकर तालाब में कमल का फूल तोड़ने उतरे थे। यह घटना ग्राम पतोरा की है। प्रोफेसर चंद्राकर के पार्थिव शरीर को दुर्ग से पीएम के बाद उनके निवास पचपेड़ी नाका नवजीवन कॉलोनी रायपुर ले जाया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार 4 सितंबर को शाम 5 बजे कार्यालयीन समय के बाद प्रोफेसर भास्कर चंद्राकर मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) के साथ अपने उतई स्थित प्लाट देखकर वापस रायपुर जा रहे थे। तभी ग्राम पतोरा (उतई) से गुजरते समय कमल फूल तोड़ने के लिए वहां के तालाब में उतरे थे, लेकिन कमल के जड़ो और दलदल की वजह से वे बाहर नहीं आ सके, फिर सहकर्मी ने गांव वालों की सहायता से उन्हें तुरंत तालाब से निकालकर सीपीआर दिया और उन्हें तत्काल निजी अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद उन्हें बीएसपी के सेक्टर 9 अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पीएचक्यू में ओएसडी बनाए गए दो सेवानिवृत्त आईजी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य शासन के गृह विभाग ने दो सेवानिवृत्त आईजी को एक वर्ष की संविदा नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया है। इनमें सेवानिवृत्त आईजी बीएस ध्रुव और सुशील चंद्र द्विवेदी शामिल हैं। दोनों को पीएचक्यू में ओएसडी नियुक्त किया गया है।

तकनीकी शैक्षणिक संस्थाओं में हुई बढ़ोतरी, आईटी हब बन रहा नवा रायपुर

रजत जयंती वर्ष में आईटी सेक्टर में नई बुलंदियों पर पहुंचा छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य का गठन 1 नवंबर 2000 को हुआ था। उसके बाद से राज्य ने औद्योगिक और बुनियादी ढांचे के विकास पर काफी जोर दिया, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र भी प्रमुख रहा है। हालांकि छत्तीसगढ़ पारंपरिक रूप से एक खनन और कृषि-प्रधान राज्य रहा है, लेकिन पिछले दो दशकों में राज्य सरकार ने आईटी सेक्टर को विकसित करने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। साय सरकार आने के बाद इस दिशा में और तेजी से काम हुए हैं। छत्तीसगढ़ को अब आईटी हब बनाने की तैयारी की जा रही है।

वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ एक स्वतंत्र राज्य बना, तब सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उस समय राज्य में लगभग नगण्य थी। न तो आवश्यक तकनीकी ढांचा था, न ही प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता। इंटरनेट की पहुंच सीमित थी, और सरकारी कामकाज भी अधिकतर कागजी प्रक्रियाओं पर आधारित था। आईटी का उपयोग केवल चुनिंदा कार्यालयों और निजी संस्थानों तक सीमित था। राज्य निर्माण के शुरुआती वर्षों में आईटी को लेकर न तो व्यापक नीति थी, न ही निवेश को आकर्षित करने के प्रयास। युवा वर्ग में तकनीकी शिक्षा की रुचि तो थी, पर संस्थानों की संख्या कम थी। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता का अभाव था, और शहरी क्षेत्रों में भी आईटी को एक करियर के रूप में देखने वालों की संख्या सीमित थी। राज्य बनने के बाद इस दिशा में तेजी से काम हुए हैं। इन 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने आईटी क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

सुशासन लाने के लिए आईटी का इस्तेमाल

छत्तीसगढ़ में विष्णु देव की सरकार सुशासन लाने के लिए आईटी का बड़े पैमाने में इस्तेमाल कर रही है। जनकल्याणकारी योजनाओं से मॉनिटरिंग से लेकर वित्तीय प्रबंधन करों की वसूली, भूमि संबंधी रिकार्ड के पंजीयन, संधारण और संशोधन सहित सभी जरूरी क्षेत्रों में आईटी का इस्तेमाल हो रहा है। सरकार द्वारा लोगों तक शासकीय योजनाओं की पहुंच का दायरा बढ़ाने के साथ ही प्रशासन को मजबूत और पारदर्शी बनाने के लिए ठोस पहल करने जा रही है। सरकार के बजट में इन सभी विषयों को शामिल किया गया है। जनकल्याणकारी योजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए अटल डैशबोर्ड की शुरूआत की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में कॉमन सर्विस सेंटर्स (ष्टस्ष्ट) के माध्यम से लोगों तक डिजिटल सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। इंटरनेट कनेक्टिविटी में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

आईटी हब बन रहा छत्तीसगढ़

अब तक बैंगलोर, हैदराबाद और मुंबई को आईटी हब माना जाता था, लेकिन अब इस सूची में छत्तीसगढ़ का नाम भी शामिल हो रहा है। राज्य की राजधानी नवा रायपुर में आईटी और बीपीओ सेक्टर में लगातार निवेश हो रहा है, जिससे यह क्षेत्र देश के नए आईटी हब के रूप में उभर रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने नई औद्योगिक नीति और आईटी कंपनियों के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वित्त मंत्री ओपी चौधरी की अगुवाई में नवा रायपुर को तकनीकी और रोजगार के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। स्क्वायर बिजनेस सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड ने नवा रायपुर में बीपीओ खोला है, जिसमें अब तक 1500 से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। इनमें दंतेवाड़ा, कांकेर, धमतरी जैसे नक्सल प्रभावित जिलों के युवा भी शामिल हैं। जल्द ही टेलीपरफॉर्मेंस जैसी अन्य कंपनियों की सेवाएं भी यहां शुरू होंगी।

सेमीकंडक्टर बनेगा छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का नया ईंधन

भारत के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में छत्तीसगढ़ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नवा रायपुर अटल नगर में 1100 करोड़ रुपये की लागत से छत्तीसगढ़ की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट का भूमिपूजन किया जा चुका है। देश की प्रसिद्ध सेमीकंडक्टर निर्माता कंपनी पोलीमैटेक इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट की आधारशिला रखकर विकसित छत्तीसगढ़ की तरक्की को नई गति दी गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नई उद्योग नीति और इज ऑफ डुईंग बिसनेस के तहत् राज्य द्वारा दी जा रही सुविधाओं और सहुलियतों से राज्य में निवेश का नया वातावरण तैयार हुआ है। सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनी पॉलीमैटेक ने भी दिल्ली में आयोजित इन्वेस्टमेंट समिट में छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई थी और मात्र तीन महीने के भीतर ही भूमिपूजन का कार्य संपन्न हुआ। यह छत्तीसगढ़ में ईज ऑफ डूईंग बिजनेस की सफलता को दर्शाती है। छत्तीसगढ़ में सेमीकंडक्टर प्लांट की स्थापना से जहां एक ओर बड़े पैमाने पर चिप्स का निर्माण होगा, वहीं तकनीकि शिक्षा प्राप्त युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी सुलभ होंगे। राज्य सरकार द्वारा न केवल सेमीकंडक्टर निर्माण पर ध्यान दिया जा रहा है बल्कि सेमीकंडक्टर के लिए पूरे इको सिस्टम तैयार करने की भी योजना पर भी काम किया जा रहा है, जिसमें चिप डिजाईन से लेकर मेनुफेक्चरिंग और पैकेजिंग की पूरी व्यवस्था होगी। राज्य सरकार द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डाटा सेंटर जैसे नए और तकनीकि उद्योगों को बढ़ावा देने से राज्य में तकनीकि शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा साथ ही रोजगार के नए-नए अवसर भी बढ़ेंगे।

तकनीकी शैक्षणिक संस्थाओं में बढ़ोतरी

तकनीकी शिक्षा में भी राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है। इंजीनियरिंग कॉलेजों और आईटीआई संस्थानों की संख्या में वृद्धि हुई है। प्रदेश में करीब 30 इंजीनियरिंग कॉलेज हैं। इनमें से तीन कॉलेज राज्य सरकार के अधीन है। राज्य गठन के समय यह नगण्य थी। वहीं आईटीआई की संख्या में भी ताबड़तोड़ बढ़ोतरी हुई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार से जोडने् के लिए राज्य के 160 आईटीआई को मॉडल आईटीआई के रूप में उन्नयन किया जा रहा है। इस बढ़ोतरी ने तकनीकी शिक्षा को व्यापक रूप में सुलभ बनाया है। गाँव-देहात से लेकर शहरी केन्द्रों तक, युवाओं को विभिन्न तकनीकी, व्यावसायिक और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों तक पहुँच मिली है। यह राज्य के औद्योगिक और डिजिटल विकास की दिशा में एक मजबूत आधार तैयार करता है।

आतंकी भारत में घुसे, 34 वाहनों में बम लगाए', हाट्सएप पर मिली धमकी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई ट्रैफिक पुलिस को एक धमकी भरा संदेश मिला है। संदेश में मुंबई में अलग-अलग वाहनों में मानव बम लगाए जाने का दावा किया गया है। संदेश में यह भी लिखा था कि 14 पाकिस्तानी आतंकी देश में घुस आए हैं। धमकी भरा संदेश मुंबई ट्रैफिक पुलिस के व्हाट्सएप नंबर पर भेजा गया। गणेशोत्सव और अनंत चतुर्दशी को देखते हुए मुंबई पुलिस सतर्क हो गई है। संदेश की जांच की जा रहा है। संदेश कहां से और किसने भेजा? यह भी पता लगाया जा रहा है।

व्हाट्सएप नंबर पर धमकियां मिलीं

मुंबई पुलिस ने बताया कि मुंबई ट्रैफिक पुलिस को उनके आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर पर धमकियां मिलीं। धमकी में दावा किया गया कि शहर भर में 34 वाहनों में 34 'मानव बम' लगाए गए हैं। इसके विस्फोट से पूरी मुंबई दहल जाएगी। 'लश्कर-ए-जिहादी' होने का दावा करने वाले इस संगठन ने दावा किया कि 14 पाकिस्तानी आतंकवादी भारत में घुस आए हैं। धमकी भरे संदेश में आगे कहा गया कि विस्फोट में 400 किलोग्राम आरडीएक्स का इस्तेमाल किया जाएगा। मुंबई पुलिस सतर्क है और पूरे राज्य में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। धमकी के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

पिछले महीने हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी

इससे पहले पिछले महीने नवी मुंबई पुलिस ने मुंबई-अहमदाबाद उड़ान में बम होने और महानगर में छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी के मामले में एफआईआर दर्ज की थी। पुलिस ने बताया था कि नवी मुंबई के संयुक्त पुलिस आयुक्त के कार्यालय में बुधवार दोपहर दो बजे से ढाई बजे के बीच एक कॉल आई। फोन करने वालों ने कहा कि मुंबई-अहमदाबाद उड़ान में बम रखा गया है। पुलिस ने आगे बताया था कि एक दूसरी कॉल में कहा गया कि मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को शाम 6:30 बजे उड़ा दिया जाएगा। हालांकि, जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। जिन मोबाइल नंबरों से कॉल की गई थी, उनकी पहचान कर ली गई थी।

यूपी के गोंडा जिले में डीजल से भरा एक ट्रक पलटा

उत्तर प्रदेश (एजेंसी)। यूपी के गोंडा जिले में डीजल से भरा एक ट्रक पलट गया और डीजल पानी की तरह सड़क में फैल गया। देखते ही देखते वहां के ग्रामीण डिब्बा, बाल्टी और ड्रम लेकर दौड़ पड़े और मुफ्त में बहे डीजल को समेटने लगे। इस दौरान किसी ने वीडियो बना लिया जो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

जानकारी के मुताबिक, नेपाल का एक टैंकर गोंडा डीजल डिपो से लगभग साढ़े बारह हजार लीटर डीजल लेकर नेपाल की ओर रवाना हुआ था। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। जब यह टैंकर गोंडा-बहराइच मार्ग पर कौड़िया थाना क्षेत्र के घुचवापुर गांव के पास पहुंचा, तभी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पानी भरे गड्ढे में पलट गया।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि टैंकर अचानक मुड़ा, जैसे किसी को बचाने की कोशिश की गई हो। नतीजा यह हुआ कि टैंकर जोरदार आवाज़ के साथ पलटकर गड्ढे में जा धंसा। गनीमत रही कि हादसे में ड्राइवर और क्लीनर को कोई चोट नहीं आई। दोनों सुरक्षित बाहर निकल आए।

टैंकर पलटते ही उसमें भरा डीजल बहकर पानी से भरे गड्ढे में गिरने लगा। कुछ ही देर में चारों तरफडीजल की तेज गंध फैल गई। यही गंध ग्रामीणों को खींच लाई। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और फ्री का तेल देखने के बाद उनकी आंखों में चमक आ गई। एक-एक कर लोग घरों से डिब्बा, बाल्टी और यहां तक कि पुराने ड्रम तक लेकर दौड़े। सड़क किनारे का नजारा देखते ही बनता था। जहां एक ओर हादसा हुआ, वहीं दूसरी ओर मुफ्त में बहे डीजल को लेकर जश्न जैसा माहौल था। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि लोग बाल्टियों से पानी-डीजल अलग करने की कोशिश कर रहे थे। कई ग्रामीण इस काम में इतने मग्न थे कि पुलिस के आने तक किसी ने सोचा तक नहीं कि यह कितना खतरनाक हो सकता है।

घटना की सूचना मिलते ही आर्यनगर पुलिस चौकी इंचार्ज अरुण द्विवेदी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत क्रेन मंगवाकर टैंकर को बाहर निकलवाने की व्यवस्था की। पुलिस ने लोगों को वहां से हटाने की कोशिश भी की, लेकिन तब तक दर्जनों लीटर डीजल ग्रामीण अपने-अपने बर्तनों में समेट चुके थे। अरुण द्विवेदी ने बताया कि ड्राइवर और क्लीनर पूरी तरह सुरक्षित हैं और कोई जनहानि नहीं हुई। फिलहाल टैंकर को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है। पुलिस और प्रशासन का कहना है कि भविष्य में ऐसे हादसों से निपटने के लिए सुरक्षा उपायों को और पुख्ता किया जाएगा।

तो इसे क्या कहेंगे "वर्ण जिहाद?"

श्रीकंचनपथ

प्रेम विवाह में धर्म के नाम पर जिहाद शब्द का चलन अब बेहद आम हो गया है। इसे लव जिहाद का नाम दे दिया गया है। हिन्दू लड़की ने मुस्लिम से विवाह कर लिया तो यह लव जिहाद हो गया। पर इस बार मामला एक ब्राह्मण युवती के एक कुर्मी युवक के साथ प्रेम विवाह का है। गुपचुप आर्य समाज मंदिर में विवाह कर लेने के बाद भी युवती परिवार की देखभाल के लिए अपने मायके में ही रुकी हुई थी। उसका भाई एक पैर से लाचार है। इस भाई को दिव्यांग कहने में हमें संकोच है। इसी भाई ने एक दिन अपनी बहन को कनपटी में गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद मां-बेटे ने मिलकर हत्या को आत्महत्या दिखाने की कोशिश की। पर एक छोटी सी चूक ने दोनों की होशियारी पर पानी फेर दिया। लंगड़े ने बहन की बायीं कनपटी पर गोली मारी थी। इसके बाद तमंचा शव के दाहिने हाथ में फंसा दिया था। मतलब साफ है कि लड़कियों को अपनी जिन्दगी का फैसला करने का कोई अधिकार नहीं है। जब से घर में इस विवाह के बारे में पता चला था युवती को उसकी मां और भाई प्रतिदिन प्रताड़ित करते थे। यह मामला हरदोई का है। युवती के पिता एक दूसरे शहर में सिक्यूरिटी गार्ड हैं और दो अन्य भाई भी अन्यत्र निजी क्षेत्र में छोटी मोटी नौकरियां करते हैं। युवती का पति बरेली के एक स्कूल में प्रभारी प्रधान आचार्य है। दोनों में तय था कि सुबह जो जल्दी उठेगा दूसरे को गुड मार्निंग कॉल करेगा। घटना के दिन न पति को कोई कॉल आया और न ही उनका कॉल रिसीव किया गया। उन्होंने तत्काल पुलिस को घटना की जानकारी दे दी। क्या इसके बाद भी हम कहेंगे कि सारे हिन्दू एक हैं? धर्म की ऐसी व्याख्या करने वाले क्या खाक धर्म समझेंगे। क्या बचाने के चक्कर में वो क्या गंवा रहे हैं, क्या इसका उन्हें होश भी है। क्या वे जानते हैं कि जिस सनातन की वो बातें करते हैं वहां राजकुमारों ने राक्षसियों से विवाह किया था। वहां कभी स्वयंवर भी रचाए जाते थे। धर्म की अनाप शनाप व्याख्या करने वालों ने लोगों में झूठ-मूठ की फूंक भर दी है। कोई बताए कि बेटी या बहन की हत्या का पाप क्या किसी भी रूप में गो हत्या या ब्रह्म हत्या से कम है? ऑनर किलिंग हिंसा का वह रूप है, जो प्राय: हत्या के रूप में सामने आता है और अधिकतर मामलों में परिवार के सदस्य ही इसे अंजाम देते हैं। इसका शिकार वे युगल बनते हैं जिनके बारे में धारणा बना ली जाती है कि उन्होंने जाति, समुदाय या लैंगिक मानदंडों की अवहेलना कर परिवार का अपमान किया है। एनसीआरबी डाटा के अनुसार 2021 में 109 मामले ऑनर किलिंग के सामने आए थे जो 2022 में बढ़कर 188 हो गए। बधाई हो! देश में धर्म जागरण हो रहा है।

संपादकीय

अतिरिक्त टैरिफ भारतीय निर्यात प्रभावित

भारत पर अतिरिक्त 25 फीसद अमेरिकी शुल्क बुधवार को लागू हो गया। अमेरिकी गृह मंत्रालय ने इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी है, और इसी के साथ भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ कर 50 फीसद हो गया। माना जा रहा है कि 48 अरब डॉलर से ज्यादा का अमेरिका को किया जाने वाला भारतीय निर्यात इससे प्रभावित होगा। भारत के वस्त्र, परिधान, रत्न-आभूषण, झींगा, चमड़ा और जूते-चप्पल, पशु उत्पाद, रसायन, विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी उद्योग पर सर्वाधिक असर पड़ेगा। भारत के अलावा ब्राजील एकमात्र अमेरिकी व्यापारिक साझेदार है, जिसे 50 फीसद आयात शुल्क का सामना करना पड़ रहा है।

इस घटनाक्रम के बाद भारतीय शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली और कमजोर वैश्विक रुझान से निवेशकों की धारणा कमजोर पड़ी है। सर्राफा बाजार में भी तेजी का रुझान बन गया है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। अमेरिका भारत के कृषि और डेयरी क्षेत्र में प्रवेश चाहता है, लेकिन भारत ने इससे साफ इनकार कर दिया है।

इसके बाद ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने को बहाना बना कर यह अतिरिक्त शुल्क थोपा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अतिरिक्त शुल्क थोप कर भारत पर कूटनीतिक और व्यापारिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्पष्ट कर चुके हैं कि कृषि और डेयरी क्षेत्र में भारत कोई समझौता नहीं करेगा क्योंकि हमारे लिए किसानों के हित सवरेपरि हैं।

भारत, अमेरिका को 79 अरब डॉलर का कुल निर्यात करता है, इसमें से 45 अरब डॉलर के भारतीय उत्पाद अमेरिकी शुल्क के दायर में आ जाएंगे यानी अमेरिका को लगभग 45 फीसद भारतीय निर्यात अमेरिकी टैरिफ के दायर से बाहर होगा, लेकिन 55 फीसद भारतीय निर्यात प्रभावित होना तय है। दवा क्षेत्र को अमेरिका ने अभी नहीं छुआ है, लेकिन धमकी जरूर दे दी है कि भारतीय दवाओं पर भी 150 फीसद शुल्क लगाया जा सकता है।

बेशक, अमेरिका से निर्यात मोच्रे पर बड़ी चुनौती दरपेश है, लेकिन भारत के सामने तमाम विकल्प हैं। भारत को अमेरिका से बाहर नये बाजार तलाशने होंगे। जरूरी है कि रूस के साथ वह नई रणनीति के साथ बढ़े। भारत पलटवार की भी सोच सकता है। चुनिंदा वस्तुओं पर जवाबी टैरिफ लगाने की स्थिति में है। अपने प्रभावित क्षेत्रों को घरेलू स्तर पर सब्सिडी देकर प्रोत्साहन देकर मजबूत स्थिति में बनाए रख सकता है। बहरहाल, चुनौती बड़ी है, जिसे अवसर में तब्दील करने की क्षमता भारत में है।

2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा

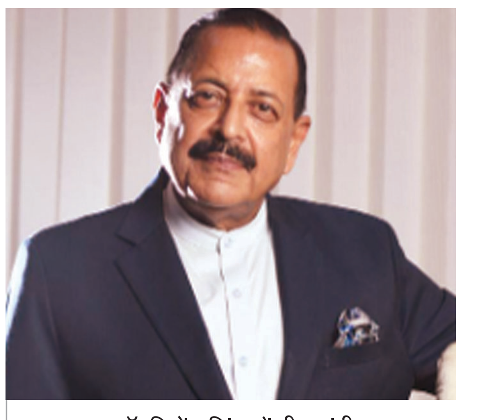

डॉ. जितेंद्र सिंह, केंद्रीय मंत्री

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का कहना है कि गगनयान भारत की अंतरिक्ष आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा, जो उसकी मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमताओं की पुनः पुष्टि करेगा और पृथ्वी के लिए लाभकारी अनुप्रयोगों सहित वैज्ञानिक ज्ञान में वृद्धि करेगा।

प्रश्न: भारत के अंतरिक्ष भविष्य के लिए गगनयान का सबसे बड़ा परिणाम क्या होगा?

उत्तर: अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत का उदय पहले ही हो चुका है और इसे वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया गया है। अब हम अनुयायी मात्र नहीं हैं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में समान भागीदार हैं। गगनयान मिशन एक और निर्णायक मोड़ का प्रतीक होगा। यह न केवल मानव अंतरिक्ष उड़ान में भारत की क्षमताओं की पुन:पुष्टि करेगा, बल्कि हमारे वैज्ञानिक ज्ञान में भी वृद्धि करेगा। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला द्वारा सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण या माइक्रोग्रेविटी, कृषि और जीवन विज्ञान पर किए गए प्रयोगों के साथ-साथ, यह मिशन पृथ्वी पर अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी प्रदान करेगा। यह भारत को अंतरिक्ष अन्वेषण में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करेगा, जबकि हम बुनियादी ढाँचे, विकास और जीवन को सुगम बनाने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग जारी रखेंगे।

प्रश्न: शुक्ला जैसे युवा अंतरिक्ष यात्रियों के आने से, हमारी मानव अंतरिक्ष यात्रा को आकार देने में युवाओं की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है?

उत्तर:अंतरिक्ष सहित हर क्षेत्र में भारत के भविष्य के लिए युवा अपरिहार्य हैं। हमारी 70 प्रतिशत से अधिक आबादी 40 वर्ष से कम आयु की है, इसलिए स्वाभाविक रूप से, वे विकसित भारत के पथप्रदर्शक हैं। अंतरिक्ष में, शारीरिक और मानसिक अनुकूलनशीलता की आवश्यकता के कारण युवाओं को बढ़त हासिल है। उदाहरण के लिए, गगनयान के लिए प्रशिक्षित चार अंतरिक्ष यात्रियों में, शुभांशु सबसे कम उम्र के थे और यह बात लाभदायक रही। अंतरिक्ष मिशनों के लिए त्वरित अनुकूलन की आवश्यकता होती है, जिसे युवा अधिक कुशलता से संभाल सकते हैं।

प्रश्न:क्या आपको लगता है कि गगनयान वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और महिला अंतरिक्ष यात्रियों के लिए संभावनाओं के द्वार खोलेगा?

उत्तर: जी बिल्कुल। अंतरिक्ष विज्ञान में पुरुषों और महिलाओं के बीच कोई भेद नहीं है। 15 अगस्त, 2018 को जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार गगनयान की घोषणा की थी, तो उन्होंने कहा था कि भारत का एक बेटा या बेटी अंतरिक्ष में जाएंगे । वर्तमान में, चयनित चार अंतरिक्ष यात्री पुरुष हैं, वे वायु सेना से हैं और इसका कारण मुख्यत: उनका उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त होना है। लेकिन आगे चलकर, वायु सेना से बाहर के अंतरिक्ष यात्रियों को भी शामिल किया जाएगा, जिनमें महिलाएँ भी होंगी। वैश्विक स्तर पर, महिलाएँ अंतरिक्ष अन्वेषण में अग्रणी रही हैं। भारत में भी, इसरो की कई परियोजनाओं का नेतृत्व महिला वैज्ञानिकों ने किया है, चाहे वह चंद्रयान हो, आदित्य हो या अन्य।

प्रश्न: क्या गगनयान भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानवयुक्त अंतरिक्ष यान मिशनों में शामिल होने या अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगा?

उत्तर: भारत 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन नामक स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने वाला है। प्रधानमंत्री ने सुदर्शन सुरक्षा चक्र का भी उल्लेख किया है, जहाँ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसलिए, 2035 एक युगांतकारी वर्ष होगा... उसके पाँच साल बाद, भारत का लक्ष्य चंद्रमा की सतह पर मानव सहित मिशन भेजना है।

प्रश्न: भारत सेमीकंडक्टर और एआई तकनीकों में प्रगति कर रहा है, ऐसे में सरकार भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसी परियोजनाओं के लिए सेमीकंडक्टर मिशन को अंतरिक्ष-स्तरीय आवश्यकताओं के साथ कैसे जोड़ रही है?

उत्तर: सेमीकंडक्टरों के व्यापक अनुप्रयोग होंगे, जिनमें अंतरिक्ष मिशन भी शामिल हैं। इसी प्रकार, छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर न केवल पृथ्वी के घने या दुर्गम क्षेत्रों में, बल्कि लंबी अवधि के अंतरिक्ष अभियानों के लिए भी महत्वपूर्ण होंगे। ये तकनीकें अंतरिक्ष स्टेशन जैसी भविष्य की परियोजनाओं को बनाए रखने में महत्वपूर्ण होंगी।

प्रश्न: चंद्रमा या मंगल मिशन के दौरान आप भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को किस प्रकार के प्रयोग करते देखना चाहेंगे?

उत्तर:हाल के मिशन में, प्रयोगों को सात श्रेणियों में बांटा गया था। जीवन विज्ञान विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा। उदाहरण के लिए, मायोजेनेसिस—सूक्ष्मगुरुत्व या माइक्रोग्रेविटी में मांसपेशियों के क्षय और पुनर्जनन—का अध्ययन कैंसर, मधुमेह या यहाँ तक कि पृथ्वी पर फ्रैक्चर से उबरने जैसी स्थितियों के लिए सीधे तौर पर प्रासंगिक है। एक अन्य समूह ने लंबे समय तक स्क्रीन के संपर्क में रहने के संज्ञानात्मक प्रभावों का अध्ययन किया, जो आज के डिजिटल युग में अत्यधिक प्रासंगिक है। हमने सूक्ष्मगुरुत्व या माइक्रोग्रेविटी में मेथी जैसे पौधे उगाने का भी प्रयोग किया, जो पुनर्योजी जीव विज्ञान और आनुवंशिक अनुप्रयोगों से संबंधित अनुसंधान में सहायक हो सकता है। मुख्य बात यह है कि अंतरिक्ष प्रयोग केवल कक्षा में मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे पृथ्वी पर लोगों के लिए भी लाभकारी हैं और विश्वगुरु भारत के विचार को आगे बढ़ाते हैं।

प्रश्न: स्पैडेक्स के बाद, भारत वैश्विक ग्राहकों के लिए अंतरिक्ष डॉकिंग और उपग्रह सेवा का मुद्रीकरण कब शुरू करेगा?

उत्तर: हमने स्पैडेक्स के माध्यम से डॉकिंग और अनडॉकिंग का अनुभव प्राप्त करना शुरू कर दिया है। आगामी चंद्रयान-4 मिशन, जो 2028 के आसपास अपेक्षित है, में जटिल डॉकिंग और अनडॉकिंग प्रक्रियाएँ करने वाले कई मॉड्यूल शामिल होंगे। इससे हमें अंतरिक्ष स्टेशन जैसी बड़ी परियोजनाओं के लिए आवश्यक विशेषज्ञता प्राप्त होगी। अंतरिक्ष पर्यटन व्यवहार्य होते ही, डॉकिंग तकनीक यात्री सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। समय के साथ, भारत द्वारा वैश्विक ग्राहकों के लिए डॉकिंग, सर्विसिंग और पर्यटन संबंधी बुनियादी ढाँचा प्रदान करने के साथ ही मुद्रीकरण भी होगा।

प्रश्न: भारत सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से पाँच वर्षों में 52 जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है। ऐसे सहयोगों से राष्ट्रीय सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी?

उत्तर: सुरक्षा उपाय पहले से ही मौजूद हैं। हमने इन-स्पेस (भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र) बनाया है, जो अंतरिक्ष में सार्वजनिक-निजी भागीदारी को नियंत्रित करता है। यह सुरक्षा संबंधी सरोकारों का पूरी तरह ध्यान में रखना सुनिश्चित करते हुए सहयोग के पैमाने और प्रकृति का निर्धारण करता है। साथ ही, हमने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देकर इस क्षेत्र को उदार बनाया है। विनियमन और खुलेपन का यह संतुलन राष्ट्रीय हितों से समझौता किए बिना नवाचार को संभव बनाता है।

प्रश्न: 1,000 करोड़ रुपये के उद्यम पूंजी कोष को मंज़ूरी मिल गई है, लेकिन पिछले साल अंतरिक्ष-तकनीक फंडिंग में कमी आई। यह कोष स्टार्टअप्स को कैसे सहायता देगा?

उत्तर: कुछ साल पहले तक, अंतरिक्ष क्षेत्र में स्टार्टअप्स का होना लगभग असामान्य था। आज, हमारे पास लगभग 400 स्टार्टअप हैं, जिनमें से कुछ पहले ही सफल उद्यमी बन चुके हैं। स्टार्टअप केवल रॉकेट लॉन्च करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये मैपिंग, स्मार्ट सिटी, कृषि, टेलीमेडिसिन और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में भी फैले हुए हैं। इस कोष का उद्देश्य उन्हें आगे बढ़ने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करना है। अंतरिक्ष अचानक करियर का एक आकर्षक विकल्प बन गया है। एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, जो कभी एक विशिष्ट क्षेत्र हुआ करता था, अब आईआईटी में सबसे अधिक मांग वाली शाखाओं में से एक है। यह बदलाव अपने आप में इस क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाता है।

प्रश्न: भारत ने 2033 तक वैश्विक अंतरिक्ष बाजार का 8 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उपग्रह प्रक्षेपणों के अलावा, कौन सी तकनीकें भारत को स्पेसएक्स और चीन से मुकाबला करने में मदद करेंगी?

उत्तर: ज्यादा ध्यान रॉकेट और प्रक्षेपणों पर है, लेकिन लगभग आधे अंतरिक्ष अनुप्रयोग पृथ्वी पर ही हैं। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कृषि, बुनियादी ढाँचे और यहाँ तक कि युद्ध में भी एकीकृत है। प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना का ही उदाहरण लें; यह समय, धन और कागजी कार्रवाई बचाने के लिए उपग्रह चित्रों का उपयोग करती है, जिससे आर्थिक विकास में सीधा योगदान मिलता है। इसी तरह, अंतरिक्ष इनपुट किसानों को बुवाई और फसल उगाने का समय तय करने में मदद करते हैं। ये बचत धन सृजन जितनी ही मूल्यवान है। इसलिए हमें उम्मीद हैं कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था, जो वर्तमान में लगभग 8 बिलियन डॉलर है, अगले दशक में पाँच गुना बढ़कर 40-45 बिलियन डॉलर हो जाएगी, जिससे भारत को वैश्विक रैंकिंग में ऊपर उठने में मदद मिलेगी।

प्रश्न: क्या आप केवल वायु सेना के पायलटों को ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों को भी भारत के अंतरिक्ष यात्री समूह में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करेंगे?

उत्तर: बिल्कुल। फिलहाल, वायु सेना के पायलट हाई एल्टीट्यूड जेट विमानों में प्रशिक्षण के कारण बेहतर रूप से तैयार हैं, लेकिन यह तो बस शुरुआत है। भविष्य में, हमारे अंतरिक्ष यात्री समूह का विस्तार होगा और इसमें आम नागरिक, महिलाएँ, जैव-प्रौद्योगिकीविद, अंतरिक्ष चिकित्सक और यहाँ तक कि मीडिया पेशेवर भी शामिल होंगे ताकि मिशनों को वास्तविक समय में रिकॉर्ड किया जा सके। जैसे-जैसे यह प्रणाली विकसित होगी, भारत को अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं को पूरा करने के लिए अंतरिक्ष यात्रियों के एक बड़े और अधिक वैविध्यपूर्ण समूह की आवश्यकता होगी।

(राष्ट्रीय शिक्षक दिवस विशेष 5 सितंबर 2025)

छात्रों के सर्वांगीण विकास में शिक्षक की भूमिका कितनी कारगर

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

शिक्षक को माता-पिता तुल्य माना जाता है, अभिभावकों के बाद बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक ही सबसे ज्यादा जिम्मेदार होते है, कहते है कि देश के आनेवाले पिढी का विकास होगा या विनाश, यह दोनों बातें शिक्षक की भूमिका पर निर्भर करते है, क्योंकि शिक्षक अपने ज्ञानरूपी अध्यापन से छात्रों के बुद्धिकौशल्य को पहचानकर उन्हें योग्यतापूर्वक निखारता है। वहीं अगर शिक्षक अपनी भूमिकाओं को और अपने पद की गरिमा को भूल जाता है, तो सम्पूर्ण समाज को इसकी सजा लंबे समय तक भुगतनी पड़ती है।

शिक्षक गुणों की खान कहलाते है, जिनमें विषयज्ञान, संचार कौशल, शिक्षण के प्रति जुनून, सकारात्मक भाव, रचनात्मक विचार, शोधकर्ता, धैर्यवान, चरित्रवान, बुद्धिमान, कर्मठ, सहनशील, मृदुभाषी, समय का मोल जाननेवाले, बिना किसी भेदभाव के सभी छात्रों को एक नजर से देखनेवाले, उनके कलागुणों को समझनेवाले, हमेशा छात्रों के भलाई और उनके उज्वल भविष्य के लिए संघर्षरत रहने जैसे गुण शिक्षक में होते है। यही गुण एक सच्चे शिक्षक की पहचान होती है। शिक्षक छात्रों के लिए आदर्श मार्गदर्शक, प्रेरणास्त्रोत और मित्र होते है, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। छात्रों के नैतिक और चारित्रिक विकास में भी शिक्षक योगदान देते है अर्थात छात्रों को पढ़ा-लिखाकर उन्हें बेहतर जीवनयापन के योग्य बनानेवाले व सुजान नागरिक में तब्दील करनेवाले शिक्षक ही होते है। शिक्षा का सही अर्थ केवल किताबी ज्ञान या तकनीकी कौशल प्राप्त करना नहीं है, बल्कि एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक क्षमताओं का समग्र विकास होता है। इसका उद्देश्य ज्ञान और अनुभव के माध्यम से व्यक्ति को बुद्धिमान, संवेदनशील और समाज के लिए उपयोगी बनाना है, ताकि वह जीवन की समस्याओं का समाधान कर सके और एक सभ्य नागरिक बन सके।

एक वक्त था जब शिक्षा समाजसेवा का एक भाग हुआ करता था, शिक्षा की लौ जलाने के लिए समाजसुधारक संघर्ष करते हुए समाज में नयी क्रांति लाते थे। लेकिन आज के बाजारीकरण के युग में शिक्षा को व्यवसाय के रूप में देखा जाता है। देश के बड़े-बड़े सरकारी अधिकारी, नेता, कर्मचारी यहाँ तक की खुद सरकारी शिक्षक भी अपने बच्चों को महँगी निजी शिक्षा संस्थानों में पढ़ाने के लिए प्राथमिकता देते है क्योंकि वे सरकारी शिक्षा प्रणाली से शायद संतुष्ट नहीं है और अमीर घर के बच्चें तो सीधे विदेशों में पढ़ना पसंद करते है। लाख-डेढ़ लाख रुपये माह का वेतन पाने वाले सरकारी शिक्षक भी अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाते है, आखिर ऐसा क्यों होता है? क्या सरकारी शिक्षकों को खुद के शिक्षा प्रणाली पर ही भरोसा नहीं है? देश में शिक्षक जैसे सबसे पवित्र पेशे में भी बहुत ज्यादा घृणास्पद घटनाएं शिक्षा जगत को कलंकित करती रही है, आज वर्तमान में भी यह स्थिति कुछ खास बदली नहीं है। अभी महाराष्ट्र राज्य में सरकारी शालार्थ आयडी घोटाला भी खूब चर्चा में है, सैकड़ो सरकारी अनुदानित स्कूलों में शिक्षकों के झूठे आंकड़े दिखाकर बरसों से वेतन के नाम पर सरकार के करोड़ों रुपयों का गबन किया जा रहा था।

शिक्षा में भ्रष्टाचार का बोलबाला भी चरम पर नजर आता है, पता सबको होता है, लेकिन इसके विरुद्ध बोलना कोई नहीं चाहता। महाराष्ट्र राज्य के सरकारी अनुदानित वरिष्ठ महाविद्यालयों में शिक्षक भर्ती के नाम पर अक्सर भ्रष्टाचार की खबरें देखने-सुनने-पढ़ने मिलती है, यह भर्ती एक गठित समिति द्वारा की जाती है, विश्वविद्यालय के कुलगुरु और राज्य सरकार के मंत्रियो से शिकायत करने के बावजूद सुधार के नाम पर केवल आश्वासन ही सुनने मिलता है। अब तक यह भर्तियां सरकार ने पूर्णत अपने जिम्मे नहीं ली है। ऐसी प्रणाली से योग्यता होने के बावजूद गरीबों और ईमानदार का प्रोफेसर बनने का सपना संघर्ष और भ्रष्टाचार में दब जाता है।

देश के आर्थिक रूप से सक्षम कुछ निजी शिक्षा संस्थानों की हालत संतोषजनक है, परंतु अधिकतम निजी शिक्षा संस्थानों में शायद सबसे ज्यादा शिक्षित शिक्षक सबसे कम वेतन में काम करते है। बहुत से निजी स्कूल, महाविद्यालय में शिक्षक एक दिहाड़ी मजदुर से भी कम वेतन मेहनताना पाता है, साथ ही एक पद पर कार्य करते हुए संस्थान के अन्य कार्य भी उन्हें जबरदस्ती करने होते है। इस क्षेत्र में बेरोजगारी का आलम भी सर्वोच्च है। आज के महंगाई के समय में ढाई-तीन हजार रुपये माह का वेतन कोई मायने नहीं रखता, फिर भी बड़ी संख्या में शिक्षक इस वेतन में भी कार्य कर रहे है, ये बड़े ही शर्म और दु:ख की बात है हमारे लिए। अनेक शिक्षा संस्थानों में संस्थानों के मालिक शिक्षकों से गैर व्यवहार करते है, अपने निजी कार्य में शिक्षकों को व्यस्त करते है। अनेक संस्थानों में तो महीनों-सालों तक शिक्षकों का वेतन बकाया रखा जाता है, तो कहीं जगह पदोन्नति रोकी जाती है, मानसिक यातनाएं भी दी जाती है, इसलिए शिक्षकों में आत्महत्याओं की घटनाएं भी बहुत हो रही है।

शिक्षा जगत में छात्रों का भी अब नया रूप देखने मिल रहा है, छोटे-छोटे बच्चे भी अपने स्कूली बैग में अवांछित वस्तुएँ लेकर घूमते मिलते है, जिसमे घातक हथियार भी होते है। पहले शिक्षक छात्रों को गलती पर पिट देते थे तो भी अभिभावक कुछ ख़ास ऐतराज नहीं करते थे, अब छात्रों को शिक्षकों द्वारा गलती पर मारना तो दूर डांटना भी गुनाह जैसा महसूस होता है, कुछ माह पूर्व पंजाब, हरियाणा में स्कूली छात्रों ने अपने प्रधानाचार्य को चाकू घोप कर मार दिया। अब छात्र भी शिक्षा संस्थानों में अपने शिक्षकों को धमकाने की घटनाएं उजागर हो रही है। हमारे देश में वैसे ही नाबालिग अपराधियों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है, अभिभावक व्यस्तता दर्शाते है, शिक्षक व्यावसायिक होते जा रहे है, फिर देश की पीढ़ी तो अपराधों की दलदल में फसना लाजमी है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने राज्यसभा में दी गई जानकारी अनुसार, साल 2022 के आंकड़ों द्वारा पता चलता है कि, नाबालिग अपराधियों में महाराष्ट्र राज्य देश में अव्वल स्थान पर है, फिर इसके बाद मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु राज्य का नंबर आता है।

लोग कहते है कि सरकारी स्कूलों की हालत खराब है, जबकि वहां शिक्षकों का वेतन भरपूर है, दूसरी ओर देश के अधिकतर निजी संस्थानों में शिक्षकों का वेतन बेहद कम है, तो फिर ऐसी स्थिति में देश की शिक्षा प्रणाली मजबूत कैसे बनेगी? शैक्षणिक गुणवत्ता का स्तर कैसे बढ़ेगा? निजी संस्थानों में क्या छोटी सी तनख्वाह में शिक्षक पुरे जी-जान से देश का उज्वल भविष्य को बना सकता है, जबकि खुद उस शिक्षक का वर्तमान अंधकारमय है। देश में अधिकतर जगह यही स्थिति है, यह सब देखते हुए क्या सच में आज का शिक्षक देश के पीढ़ी का उज्वल भविष्य का शिल्पकार कहलाने योग्य भूमिका में है। केन्द्रीय विद्यालय, आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे शिक्षा संस्थान हर गाँव, हर शहर की जरुरत है, प्रत्येक विद्यार्थी को बिना आर्थिक भेदभाव के समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का मौका मिलना चाहिए।

बिहार के निजी कोचिंग सेंटर के मशहूर शिक्षक खान सर ने हाल ही में अपने एक मुलाखत में बताया था, कि देश में सरकारी शिक्षा प्रणाली बेहद ख़राब स्थिति से गुजर रही है, इसका सबूत यह है कि निजी कोचिंग सेंटर छात्रों से भरे होते है। शिक्षा हेतु छात्रों की निर्भरता निजी कोचिंग सेंटर पर बेहद बढ़ रही है। कहने को तो सब छात्रों के पास शायद नाममात्र की डिग्री आ भी जाएं, लेकिन छात्रों का सर्वांगीण विकास अपने लक्ष्य से कोसों दूर रहेगा। जीवन का सबसे बड़ा कार्यकाल तन मन धन के साथ हम शिक्षा में खर्च करते है, अगर वो शिक्षा हमें बेहतर जीवनमान का स्तर उपलब्ध कराने में योग्य साबित होती है तो वह सही है, वरना जीवन एक संघर्ष बनकर रह जाता है। शिक्षक जब तक समाज सुधारक की भूमिका में अपने कार्य को नहीं समझेंगे तब तक देश के उज्वल भविष्य पर सवाल उठते रहेंगे।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना देगी युवा शक्ति के सपनों को नई उड़ान

डॉ. मनसुख मांडविया, केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत सरकार

भारत की विकास गाथा हमेशा से उसकी श्रम शक्ति द्वारा लिखी गई है। देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में करोड़ों श्रमिकों के समर्पण और क्षमता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, पिछले 11 वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2014 में, भारत विश्व की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ते हुए आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने वैश्विक पटल पर अपने लिए एक उल्लेखनीय स्थान बनाया है और इसमें इसके मानव संसाधन की शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

इस सफलता की कहानी को बल देने वाला तथ्य यह है कि भारत के आर्थिक विकास के साथ-साथ रोजगार का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। आरबीआई-केएलईएमएस के अनुसार, जहां 2004-2014 के बीच केवल 2.9 करोड़ रोजगार सृजित हुए थे, उसके बाद के दशक में 17 करोड़ से अधिक रोजगार सृजित हुए। औपचारिकीकरण में भी तेजी आई है, ईपीएफ्ओ के आंकड़ों के अनुसार पिछले सात वर्षों में लगभग आठ करोड़ नौकरियां सृजित हुई हैं। भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज में बढ़तोरी होना भी हमारी एक बड़ी उपलब्धि है। 2015 में, केवल 19 प्रतिशत भारतीय कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत आते थे। 2025 तक, यह संख्या बढ़कर 64.3 प्रतिशत हो चुकी है और 94 करोड़ लाभार्थी इसके दायरे में आए हैं, जिससे भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा कवरेज देने वाला देश बन गया है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने इस उपलब्धि को वैश्विक स्तर पर कवरेज के सबसे तेज विस्तार में से एक माना है।

यह स्पष्ट है कि राष्ट्र का भविष्य न केवल जीडीपी वृद्धि की गति से, बल्कि हमारे द्वारा सृजित नौकरियों की गुणवत्ता, श्रमिकों को दी जाने वाली सुरक्षा और अपने युवाओं को प्रदान किए जाने वाले अवसरों से भी तय होगा। बढ़ते स्वचालन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कारण बनी अनिश्चितता की स्थिति, आपूर्ति-श्रृंखला में बदलाव और दुनिया भर में नौकरियों को आकार देने वाली कई अन्य कमजोरियों की वैश्विक पृष्ठभूमि में, भारत एक जनसांख्यिकीय परिवर्तन के बिंदु पर खड़ा है।

हमारी 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, जो एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय लाभांश है जो हमारी अर्थव्यवस्था को गति दे देता है, जबकि पश्चिमी देशों में आबादी वृद्ध होती हो रही है। वर्षों से, भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश यानी इसकी युवा शक्ति को इसकी सबसे बड़ी ताकत माना जाता रहा है। फिर भी, पिछली सरकारों के अधीन, इस क्षमता का पूरा उपयोग नहीं किया गया। अमृत काल में, जब हम 2047 तक एक विकसित भारत के विजन की दिशा में प्रयास कर रहे हैं, हमारे सामने कार्य स्पष्ट है: हमें संभावना से समृद्धि की ओर बढ़ना होगा। इस पृष्ठभूमि में, रोजगार अब केवल एक आर्थिक संकेतक नहीं रह गया है; यह सम्मान, समानता और राष्ट्रीय शक्ति का आधार है। इसके लिए आवश्यक है कि हम अपने युवाओं को रोजगार योग्य बनाएं, उन्हें औपचारिक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करें, उन्हें वित्तीय साक्षरता से लैस करें और यह सुनिश्चित करें कि वे एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रणाली द्वारा सुरक्षित हों। तभी हमारा जनसांख्यिकीय लाभ वास्तव में एक स्थायी राष्ट्रीय लाभांश में परिवर्तित हो सकता है।

इसी चुनौती का समाधान करने और आकांक्षा व अवसर के बीच के अंतर को पाटने के लिए, 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना शुरू करने की घोषणा की है। शुरुआत में केंद्रीय बजट 2024-25 में प्रस्तुत और प्रधानमंत्री जी के अपने 12वें स्वतंत्रता दिवस संबोधन में घोषित यह योजना पैमाने और डिजाइन, दोनों ही दृष्टि से एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। 1 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ, यह भारत के इतिहास का सबसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, जिससे 3.5 करोड़ से ज़्यादा रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। इनमें से दो करोड़ लाभार्थी पहली बार नौकरी पाने वाले होंगे।

योजना के दो स्तंभ

पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन और नियोक्ताओं को सहायता प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना को इसकी संरचना ही अलग बनाती है। रोजगार सृजन को बढ़ावा देने वाले पहले के कार्यक्रमों के विपरीत, यह योजना युवाओं की रोजगार क्षमता और उद्यम प्रतिस्पर्धात्मकता की दोहरी चुनौती का एक साथ समाधान करती है। भाग 'ए' के तहत पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों (दो किश्तों में 15,000 रुपए तक) और भाग 'बी' के तहत नियोक्ताओं (प्रत्येक नए कर्मचारी के लिए प्रति माह 3,000 रुपए तक) को प्रत्यक्ष वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करके, यह श्रमिकों के लिए प्रवेश बाधाओं को कम करता है और साथ ही व्यवसायों के लिए नियुक्ति जोखिम को भी कम करता है।

इस योजना का औपचारिकीकरण और सामाजिक सुरक्षा एकीकरण की दिशा में प्रोत्साहन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लाभ प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से प्रदान किए जाएंगे, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और नए कर्मचारियों को पहले दिन से ही सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों से जोड़ा जा सकेगा। इस प्रकार, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना, एक औपचारिक, सुरक्षित और उत्पादक श्रम बाजार की ओर एक संरचनात्मक कदम है। इसके अलावा, विनिर्माण क्षेत्र में नियोक्ताओं को प्रोत्साहन पर अतिरिक्त ध्यान, भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और प्रयास है।

समावेशी और सतत विकास को गति देना

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना, योजना-आधारित पहलों से हटकर एक व्यापक रोजगार प्रणाली की ओर बदलाव का संकेत देती है। यह पूर्व की पहलों से मिली सीख पर आधारित है, उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई), राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन और मेक इन इंडिया जैसी वर्तमान योजनाओं का पूरक है और प्रतिस्पर्धी वैश्विक व्यवस्था में काम की बदलती प्रकृति को पहचानती है। श्रमिकों और नियोक्ताओं, दोनों को प्रोत्साहन देकर, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना यह मान्यता देती है कि रोजगार सृजन एक साझा जिम्मेदारी है। भारत डिजिटल नवाचार को अपनाते हुए एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने का प्रयास कर रहा है, इसलिए यह योजना सुनिश्चित करती है कि कोई भी पीछे न छूटे - यहां तक कि सबसे छोटा उद्यम और कार्यबल में शामिल होने वाला सबसे नया व्यक्ति भी राष्ट्रीय विकास की यात्रा में भागीदार बने।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना

नए भारत की नींव प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना एक नीतिगत घोषणा से कहीं अधिक बढ़कर है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश को सार्वजनिक समृद्धि में बदलने की दिशा में एक ठोस कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, यह पहल विकसित भारत के विजन को साकार करने की नींव का हिस्सा है, जहां हर युवा को सार्थक रोजगार मिले, हर काम में सम्मान हो और हर युवा को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिले।

रोजगार निर्माण सही मायने में राष्ट्र निर्माण है। इस पहल के साथ, मोदी सरकार अपनी इस प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है कि कोई भी आकांक्षा अधूरी नहीं रहेगी और कोई भी युवा अवसर से वंचित नहीं रहेगा। हम सब मिलकर भारत की युवा शक्ति को नई उड़ान दे रहे हैं और उनके माध्यम से, विकसित भारत के सपने को भी नई गति प्रदान कर रहे हैं।

ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-
GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड
CMA DATA | BALANCE SHEET
MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस
प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

दिलीप ठाकुर को डॉ. रमन सिंह ने किया सम्मानित

दुर्ग। समाज सेवा और रचनात्मक कार्यों में लंबे समय से सक्रिय भूमिका निभा रहे सत्यम शिवम् सुंदरम समिति के अध्यक्ष एवं जिला चिकित्सालय जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर को छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मान के अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के वन मंडल सदस्य नीलकंठ गढ़े तथा केंद्रीय गोंडवाना समाज धमधा गढ़ के सलाहकार सीताराम ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर जीवन दीप समिति, ओम सत्यम शिक्षण एवं जन विकास समिति, सत्य साई सेवा समिति तथा सत्यम शिवम् सुंदरम समिति के सदस्यों ने दिलीप ठाकुर को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उल्लेखनीय है कि ठाकुर पिछले 30 वर्षों से जरूरतमंदों एवं पीड़ितों की सेवा कार्यों में सक्रिय हैं। इससे पूर्व भी उनके रचनात्मक योगदान के लिए उन्हें डॉ. रमन सिंह द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

गंदगी फैला रहे व्यापरियों पर जुर्माना लगाएगा निगम

भिलाई । नगर निगम भिलाई की सलाहकार समिति की बैठक गुरुवार को खाद्य लोक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग के अध्यक्ष लक्ष्मीपति राजू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए कई अहम प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि निगम क्षेत्र के 52 वार्डों में नाली, सड़क, बाजार, आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में डोर टू डोर कचरा संग्रहण एवं अन्य सफाई कार्यों के लिए निविदा आमंत्रित की जाएगी। इसके अलावा वार्डों में टूट-फूट गई नालियों की मरम्मत, खुले नालियों को स्लैब से ढकने और नई नालियों का निर्माण कराने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। शहर में गंदगी फैलाने वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और नागरिकों पर जुर्माना लगाया जाएगा। बैठक में सदस्य कोमल दास टंडन, सरीता देवी, एम. लक्ष्मी गोपाल, के. जगदीश, पी.के. श्याम मौजूद थे।

डॉ. प्रज्ञा सिंह को महाराष्ट्र मंडल ने सम्मानित कर पुरस्कार दिया

भिलाई। डॉ. प्रज्ञा सिंह का चयन राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान के लिए किया गया है। 5 सितंबर को राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कृत होंगी। उनकी इस उपलब्धि पर महाराष्ट्र मंडल हुडको की ओर से गणेश उत्सव परिसर में उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र मंडल हुडको के राजेश जोगेवार, नितिन फुले, अनिल पाटिल प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

नगरीय निकायों में सार्वजनिक महत्व के कार्यों को प्राथमिकता देवें- मंत्री यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

- नवाचार के साथ त्वरित विभागीय कार्यवाही करें अधिकारी
- गांवों में बने रीपा सेन्टरों में ग्रामोद्योग के माध्यम से लघु उद्योग होंगे स्थापित
- धान उर्पाजन केन्द्रों में अभी से करायें आवश्यक कार्य

दुर्ग। प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने आज लोक निर्माण विभाग कार्यालय दुर्ग के सभाकक्ष में समस्त विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय काम-काजों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। बैठक में अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर,वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे भी सम्मिलित हुए। साथ ही कलेक्टर अभिजीत सिंह सहित समस्त विभाग के अधिकारीगण भी उपस्थित थे। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि नगरीय निकायों में सार्वजनिक महत्व के कार्यों को प्राथमिकता देवें। अधिकारी नवाचार के साथ त्वरित विभागीय कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की टेन्डर स्वीकृति के पश्चात् विभागीय समन्वय के साथ कार्यों में प्रगति लायें।

समीक्षा के दौरान मंत्री श्री यादव ने अवगत कराया कि गांवों में बने रीपा सेन्टरों में ग्रामोद्योग के माध्यम से लघु उद्योग स्थापित किए जायेंगे। इसी प्रकार गौठानों को गौधाम के रूप में विकसित किया जाएगा। मंत्री श्री यादव ने जिले के किसानों की धान खरीदी हेतु बनाए गए उर्पाजन केन्द्रों में सभी आवश्यक मरम्मत कार्य अभी से प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग के अधिकारी कार्यक्रम आयोजित कर हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभान्वित हितग्राहियों को स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में सामग्री/राशि का चेक वितरण सुनिश्चित करें। मंत्री श्री यादव ने नगरीय निकायों में कचरा निष्पादन की जानकारी ली। मंत्री को अवगत कराया गया कि भिलाई नगर निगम में एजेंसी तय हो गयी है, साथ ही एग्रीमेंट भी कर लिया गया है। मंत्री श्री यादव ने नगर निगम भिलाई को अपशिष्ट प्रबंधन ईकाई में दुर्ग एवं अन्य नगरीय निकायों को भी शामिल करने कहा। दुर्ग नगरीय निकाय में अपशिष्ट प्रबंधन हेतु जेवरा सिरसा में निर्मित मुरूम खदान का चयन किया गया है। पानी सूखने पर अपशिष्ट पदार्थ उक्त खदान में डम्प कर समतल बनाया जाएगा। मंत्री श्री यादव ने यहां पर कचरा डम्प करने से पूर्व दीवार बनाने के निर्देश दिये है। उन्होंने दुर्ग के इंदिरा मार्केट में मल्टी लेवल पार्किंग, साइंस कॉलेज के बाजू से स्टेशन रोड तक केनाल रोड निर्माण, नालंदा परिसर आदि की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। साथ ही राशि स्वीकृति हेतु शासन को प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवगत कराया कि चण्डी मंदिर से नयापारा मार्ग, महाराजा चौक से बोरसी मार्ग और मिनीमाता चौक से जेल तिराहा मार्ग हेतु शासन से राशि स्वीकृत हो गई है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी विद्युत लाईन शिफ्टिंग, पानी पाईप लाईन एवं मुआवजा वितरण आदि के लिए संबंधित विभागों को पत्राचार कर समन्वय के साथ त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करें। मंत्री श्री यादव ने ग्राम बघेरा से ब्रम्हकुमारी आनंद सरोवर होते हुए बायपास तक पहुंच मार्ग का उन्नयन एवं निर्माण कार्य को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराने आवश्यक पहल करने कार्यपालन अभियंता पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया। उन्होंने नगर निगम भिलाई, भिलाई-3 चरोदा एवं रिसाली के निगम आयुक्त को संबंधित निकायों में सार्वजनिक महत्व के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए कार्य चिन्हित कर प्रस्ताव शासन को भेजने तथा स्वीकृति पश्चात् जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में समारोह पूर्वक भूमिपूजन कराने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि सभी नगर निगम में जर्जर स्कूलों का आवश्यकता के अनुसार मरम्मत को प्राथमिकता देवें। उन्होंने अवगत कराया कि प्रत्येक नगर निगम में एक मॉडल स्कूल बनाए जाएंगे। इसी प्रकार नगर निगम की ग्रंथालयों में आवश्यक व्यवस्था हेतु शासन द्वारा राशि का प्रावधान किया जा रहा है। प्रतियोगी परीक्षा के प्रतिभागियों के लिए नालंदा परिसर आदि की व्यवस्था की जा रही है। मंत्री श्री यादव ने नेहरू नगर, अंजोरा बायपास रोड के धमधा-बोगदा-पुलिया से उरला तक सर्विस रोड निर्माण और दुर्ग नगर में स्वीमिंग पुल का जिक्र करते हुए कहा कि नगर निगम दुर्ग में विधायक निधि से स्वीकृत कार्यों को प्राथमिकता के साथ समयावधि में पूर्ण कराएं। उन्होंने उमरपोटी में 400 केवी ट्रांसमिसन विद्युत लाईन के प्रभावितों को मुआवजा राशि और ग्राम कातरो में विद्युत करेंट से मृत महिला के परिजन को मुआवजा राशि दिलाने आवश्यक पहल करने अधीक्षण अभियंता सीएसपीडीसीएल को निर्देशित किया।

उन्होंने जिला अस्पताल सहित जिले के सभी शासकीय चिकित्सालयों में आवश्यक जन औषधि की उपलब्धता सुनिश्चित कराने सीएमएचओ को निर्देशित किया। साथ ही जिला अस्पताल में विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रिया कलेक्टर के अनुमोदन से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। मंत्री श्री यादव ने जिला पंचायत के सीईओ को ग्रामवार रीपा केन्द्रों की सूची उपलब्ध कराने कहा। उन्होंने अवगत कराया कि पूर्व में बने रीपा केन्द्रों में ग्रामोद्योग विभाग के माध्यम से ग्रामीणों के लिए लघु उद्योग धंधे स्थापित किए जाएंगे।

रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल ने लॉन्ग रेल उत्पादन में रचा इतिहास

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल (आरएसएम) ने अगस्त 2025 में 20,000 टन से अधिक उच्च गुणवत्ता वाली लॉन्ग रेल का उत्पादन कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस रिकॉर्ड उत्पादन के साथ ही मिल ने भारतीय रेलवे को एक ही माह में 20 यूरो रेक प्रेषित कर अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया। इस उपलब्धि ने भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थिति को भारत के रेल बुनियादी ढांचे की रीढ़ के रूप में और सुदृढ़ किया है।

यह सफलता आरएसएम के कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता, अटूट गुणवत्ता मानकों और समर्पण का परिणाम है। अगस्त माह में रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल ने न केवल अब तक का सर्वाधिक वेल्डेड

पैनल उत्पादन दर्ज किया, बल्कि लॉन्ग रेल के क्षेत्र में भी सर्वोत्तम स्तर प्राप्त किया है। लॉन्ग रेल पटरियों का उत्पादन देशभर में सुरक्षित, विश्वसनीय एवं उच्च गति वाली रेलगाड़ियों के संचालन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 20,000 टन से अधिक उत्पादन और 20 यूरो रेक प्रेषण के साथ भिलाई इस्पात संयंत्र ने भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण अभियान को नई गति दी है व उच्च गति वाले रेल कॉरिडोर्स और मज़बूत फ्रेट नेटवर्क के निर्माण में योगदान देती है।

इस सफलता के केंद्र में संयंत्र प्रबंधन का सशक्त नेतृत्व और सामूहिक टीम वर्क रहा। मुख्य महाप्रबंधक (आरएसएम एवं आरटीएस) श्री तीर्थंकर दस्तीदार के मार्गदर्शन में मिल ने उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए। उनके साथ महाप्रबंधक (मिल एवं फर्नेस) श्री प्रशांत खोंड, महाप्रबंधक (यांत्रिकी) वी.एस. विनय कुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन) प्रशांत लाखे, महाप्रबंधक (विद्युत) नितिन खरे, महाप्रबंधक (लॉन्ग रेल फिनिशिंग) एम.के. साहू, महाप्रबंधक (आरटीएस) एस. गुप्ता एवं अतुल दुबे, महाप्रबंधक (आरसीएल) के.वी. शंकर एवं महाप्रबंधक (आरसीएल) जे.के. वर्मा ने अपनी-अपनी टीमों का नेतृत्व कर इस कीर्तिमान को संभव बनाया।

ऑपरेटरों, पर्यवेक्षकों, इंजीनियरों एवं सहायक कर्मचारियों के साथ-साथ आरएसएम, आरटीएस, आरसीएल एवं सेवाओं के विभागों ने चौबीसों घंटे समर्पण के साथ कार्य कर इस सफलता में योगदान दिया। साथ ही संचालन, अनुरक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण, लॉजिस्टिक्स एवं सुरक्षा विभागों के अनुशासित सहयोग ने इन उपलब्धियों को और मजबूत किया।

केन्द्रीय जेल दुर्ग में दंत चिकित्सकों के द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। इंडियन डेंटल एसोसिएशन ब्रांच दुर्ग के द्वारा केन्द्रीय जेल दुर्ग में द्ध बंदियों हेतु एक दिवसीय दंत चिकित्सक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में दंत चिकित्सक डॉ. सविता कब्डवाल, डॉ. श्रेणिका नाहरा, डॉ. साइली कुरैशी, डॉ. लवप्रीत कटीयार, डॉ. मयुरी राय, डॉ. रजत जैन, डॉ सिद्धार्थ शर्मा, डॉ शाहबाज खान, डॉ. शुभ जैन सहित जेल प्रशासन के जेल अधीक्षक, मनीष सम्भाकर, सहायक जेल अधीक्षक अशोक साव, ढाल सिंह कोसरे फार्मासिस्ट एवं जेल स्टॉफ भी उपस्थित रहे। दंत चिकित्सा शिविर में चिकित्सकों के द्वारा 150 निरूद्ध बंदियों की दंत जॉच कर आवश्यकतानुसार उपचार प्रदान किया। साथ ही बंदियों को दंत स्वच्छता एवं रखरखाव के बारे में जानकारी भी दी गई।

चक्रधर समारोह 2025: सुर-ताल और घुंघरू की सतरंगी छटा, मल्लखंभ दल रहा आकर्षण का केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह 2025 का आठवां दिन विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और लोक-शास्त्रीय कलाओं की अनूठी छटा से सराबोर रहा। रामलीला मैदान में आयोजित सुर, ताल, छंद और घुंघरू के आठवें दिन कलाकारों की सजीव प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया और समारोह की गरिमा को नई ऊंचाइयों पर पहुँचा दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार श्री रामदास अठावले ने भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना, राजा चक्रधर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को

संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि राजा चक्रधर सिंह केवल रायगढ़ के नहीं, बल्कि पूरे देश के गौरव हैं। वे एक महान शासक, समाजसेवी और संगीत साधक थे। गरीबों, किसानों, मजदूरों और आदिवासी समाज के उत्थान के लिए उन्होंने कार्य किया और कथक को नया आयाम देकर 'रायगढ़ घराने' की स्थापना की। आज उनका यह सांगीतिक धरोहर देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में सम्मान पा रहा है। इस मौके पर राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, नगर निगम रायगढ़ महापौर जीवर्धन चौहान सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। चक्रधर समारोह में आठवें दिन का मुख्य आकर्षण अबूझमाड़ का प्रसिद्ध मल्लखंभ दल रहा। उनकी रोमांचक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को उत्साहित कर तालियों से सभागार गूंजा दिया। इस अवसर पर रायपुर की आशिका सिंघल, संगीता कापसे संगीत कला अकादमी रायपुर, दुर्ग की देविका दीक्षित, बिलासपुर की श्रीमती वासंती वैष्णव एवं टीम, जबलपुर की श्रीमती निलांगी कालान्तरे और बेंगलुरु के डॉ.लक्ष्मी नारायण जेना ने कथक की विभिन्न शैलियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। रायपुर की श्रीमती अजीत कुमारी कुजूर ने भरतनाट्यम और मुंबई के अर्नव चटर्जी ने मधुर गायन से समा बांध दिया। चक्रधर समारोह के अवसर पर पद्मश्री स्व. डॉ. सुरेन्द्र दुबे की स्मृति में विशेष काव्य संध्या का आयोजन हुआ। कवियों की प्रस्तुतियों में हास्य, वीर रस और व्यंग्य का सुंदर संगम देखने को मिला। दर्शक देर तक तालियों से कवियों का उत्साहवर्धन करते रहे।

चक्रधर समारोह में उस समय अविस्मरणीय बन गई, जब अबूझमाड़ से आए श्री मनोज प्रसाद के नेतृत्व में मल्लखंब दल ने मंच पर प्रवेश किया। परंपरा, अनुशासन और अद्भुत संतुलन के साथ खिलाडियों ने ऐसा प्रदर्शन किया कि पूरा कार्यक्रम स्थल रोमांचित हो उठा।

पाटन में तीज मिलन समारोह: तीज क्वीन का ताज अखरा की सरस कश्यक, पाटन की दिव्या बंछोर और खोरपा की कामिनी धुरन्धर के नाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

पाटन। छ.ग.मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज पाटन राज द्वारा तीजा मिलन समारोह का भव्य आयोजन कुर्मी भवन पाटन में युगल आडिल राजप्रधान मनवा कुर्मी समाज पाटन राज के संयोजन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छाया वर्मा पूर्व राज्य सभा सांसद, अध्यक्षता रंजना वर्मा महिला अध्यक्ष कुर्मी समाज पाटन राज, अतिविशिष्ट अतिथि सत्यभामा परगनिहा राजप्रधान धमधा राज, सुनीता वर्मा राजप्रधान बलौदाबाजार राज, विशेष अतिथि के रूप में जय श्री वर्मा, संरक्षक महिला कार्यकारिणी पाटन राज एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य दुर्ग, राजेश्वरी वर्मा समाज सेविका सहित दसो राज के महिला प्रमुख उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत समाज के महापुरुष छत्रपति शिवाजी महाराज, स्वामी आत्मानंद जी महाराज, डॉ. खूबचंद बघेल, भारतमाता एवं शिव जी के

छायाचित्रों की पूजा अर्चना एवं राजगीत के साथ किया गया।

महिलाओं के द्वारा विभिन्न प्रकार के खेलो का आयोजन किया गया जिसमें- तीज क्वीन का ताज सरस कश्यप (अखरा) प्रथम, दिव्या बंछोर (पाटन) द्वितीय, कामिनी धुरन्धर खोरपा तृतीय स्थान पर रहे। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम पुष्पा वर्मा अखरा, आलता प्रतियोगिता में प्रथम दिव्या बंछोर पाटन, द्वितीय दानेश्वरी कश्यप अखरा, एवं व्यंजन प्रतियोगिता प्रथम उर्वशी वर्मा देवादा द्वितीय स्थान पर तेजेश्वरी बंछोर अखरा सहित अन्य प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया और साथ ही छ.ग.मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज पाटन राज के द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले महिलाओं को जिसमें ऋचा वर्मा अमलेश्वर उद्घोषक आकाशवाणी रायपुर,अर्चना धुरंधर रानीतराई थाना प्रभारी महिला थाना रायपुर, सीमा वर्मा अमलेश्वर अधिवक्ता, दिपाली वर्मा मटंग माड्यूलिंग एवं पत्रकारिता, छाया वर्मा परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास पाटन, शिक्षा के क्षेत्र में पुष्पा वर्मा,कृषि के क्षेत्र में प्रभा वर्मा पंदर को शाल, श्रीफल एवं मोमेंटो से अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि छाया वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि छ. ग.म.कु.क्ष. समाज पाटन राज महिला कार्यकारिणी के द्वारा भव्य तीजा मिलन समारोह का आयोजन किया गया है जिसमे हजारो की संख्या में महिलाओं की भीड़ यह दर्शाता है कि पाटन राज की महिलाएं समाज के प्रति काफी जागरूक है जो सामाजिक संगठन में एकता का परिचायक है,यहाँ की बहने आत्म निर्भर है इसलिए सभी क्षेत्रों में अपना परचम लहरा रही है।

जिसका उत्कृष्ट परिणाम इस मंच के माध्यम से देखने को मिला। पाटन राज के राजप्रधान भाई युगल आडिल एवं महिला अध्यक्ष बहन रंजना वर्मा तथा राज कार्यकारिणी को जो मुझे इस पावन मंच पर अतिथि बनाकर सम्मान दिया जिसके लिए मैं इस भव्य एवं सफल आयोजन के लिए बहुत बहुत बधाई देती हूँ।

एक कदम समाज सेवा की ओर

राजप्रधान युगल आडिल अपने संक्षिप्त उदबोधन में कहा कि यह तीजा मिलन का कार्यक्रम उन माताओं बहनों के लिए है जो अथक परिश्रम करके विपरीत परिस्थितियों में भी अपने बच्चो को पढ़ा लिखा कर शिक्षित एवं योग्य बनाते है, जो आज विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे है या अपने स्वयं का ब्यवसाय कर रहे है। ऐसे प्रतिभाओं को हम इस मंच के माध्यम से सम्मानित करने का एक छोटा सा प्रयास 'एक कदम समाज सेवा की ओर' कर रहे है। जिससे आने वाले पीढ़ी इसका अनुशरण करेंगे।जिसका भविष्य में अच्छा परिणाम देखने को मिलेगा।मैं इस मच के माध्यम से इस तीजा मिलन कार्यक्रम में सहयोग करने वाले दानदाताओं को बहुत बहुत साधुवाद संप्रेषित करता हूं। एवं भविष्य में भी ऐसी सहयोग की अपेक्षा करता हूं।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributors For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

छात्राओं ने शिव तांडव नृत्य से जीता दिल, सम्मान और पुरस्कार से नवाजी गईं छात्राएँ

रायपुर। सुधा ओपन स्कूल, आमासिवनी की होनहार छात्राएँ पार्वती यादव और प्रमिला यादव ने सफायर ग्रीन गणेश उत्सव में अपने शानदार शिव तांडव नृत्य से सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके दमदार और भावपूर्ण प्रदर्शन की सभी ने जमकर सराहना की। कार्यक्रम में सुधा सोसाइटी फाउंडेशन की ओर से दोनों छात्राओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया, जिसे महेंद्र बाफना, अध्यक्ष, एम्पेरिया सफायर ग्रीन के हाथों से दिया गया।

इसके अलावा, कई प्रमुख निवासियों ने छात्राओं का उत्साह बढ़ाने के लिए उन्हें नकद पुरस्कार भी दिए। इनमें राजकिशोर अग्रवाल, सुजीत तुलस्यान, अवधेश गुप्ता, महेंद्र बाफना, कौशल चौधरी, नरेश जैन, बीके गुप्ता, टीपी चंद्रवंशी और विवेक अग्रवाल शामिल रहे। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले विला सैफायर ग्रीन में भी दोनों छात्राओं ने प्रस्तुति दी थी। वहाँ भी निवासियों ने उनके कला प्रदर्शन को खूब सराहा और पुरस्कृत किया। सुधा ओपन स्कूल और सुधा सोसाइटी फाउंडेशन के चेयरमैन जीके भटनागर का कहना है कि ऐसे अवसर बच्चों की प्रतिभा निखारने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

हड़ताल कर रहे एनएचएम कर्मचारियों की बर्खास्तगी शुरू

रायपुर। नियमितीकरण समेत 10 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे एनएचएम कर्मचारियों पर कार्यवाही शुरू हो गई है। बलौदाबाजार जिले में दो कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। सीएमएचओ ने कसडोल ब्लॉक डाटा मैनेजर हेमंत सिन्हा, और कौशलेश तिवारी की बर्खास्तगी का आदेश जारी किया है।

बता दें कि प्रदेशभर के 16 हजार कर्मचारी नियमितीकरण समेत 10 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। शासन की ओर से हड़ताली कर्मचारियों को हड़ताल समाप्त करने के लिए 24 घंटे के अल्टीमेटम दिया गया था जिसके बाद भी काम पर नहीं लौटने पर अब बर्खास्तगी की कार्रवाई शुरू हो गई है। सीएमएचओ की ओर से हेमंत सिन्हा, कौशलेश तिवारी को जारी आदेश पत्र में लिखा गया है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ के आह्वान पर आप 18 अगस्त 2025 से अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। संघ की मांगों के संदर्भ में 13 अगस्त को राज्य स्वास्थ्य समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक में सक्षम स्तर पर निर्णय लिया जा चुका है। उक्त निर्णय के तारतम्य में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कार्यालय छत्तीसगढ़ द्वारा आवश्यक निर्देश भी प्रसारित किए जा चुके हैं।

सांसद ने परिवार सहित की करमा देव की पूजा अर्चना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक प्रमुख पर्व करमा तिहार राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल अपने परिवार सहित शामिल हुए और करमा देव की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। आदिवासी संस्कृति के रंगों में सराबोर रहा आयोजन कार्यक्रम की शुरुआत करमा देव की आराधना और पारंपरिक विधि-विधान के साथ हुई। इसके बाद आदिवासी समाज के लोगों ने पारंपरिक लोकधुनों और गीतों पर करमा नृत्य प्रस्तुत किया। ढोल, मादल और झांझ की थाप पर कलाकारों ने ऐसा समां बांधा कि पूरा परिसर लोक संस्कृति के रंग में रंग गया। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भी आदिवासी संस्कृति की इस अद्भुत झलक को नमन करते हुए कहा कि करमा तिहार छत्तीसगढ़ की आत्मा और लोकजीवन का उत्सव है।

सांसद अग्रवाल ने अपने परिवार के साथ करमा देव की पूजा कर आदिवासी समाज के इस पर्व की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि करमा तिहार हमें प्रकृति की पूजा और संरक्षण का संदेश देता है। पेड़-पौधों, जल-जंगल और जमीन के बिना जीवन संभव नहीं है, इसलिए यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञ और जिम्मेदार बनने की सीख देता है। सामूहिकता ही समाज की शक्ति बृजमोहन अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि करमा तिहार केवल पूजा का पर्व नहीं है, बल्कि यह सामूहिकता और समाज की एकजुटता का प्रतीक है। जब पूरा समाज मिलकर गीत, नृत्य और पूजा में शामिल होता है, तब सामाजिक बंधन मजबूत होते हैं। यही सामूहिकता किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित इस पर्व में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग, जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे कलाकारों और ग्रामीणों ने उत्सव को और भी रंगीन बना दिया। चारों ओर लोकगीतों की गूंज और ढोल की थाप ने माहौल को उल्लासमय बना दिया।

करमा तिहार का महत्व करमा तिहार मुख्यत: आदिवासी समाज का पर्व है, जो प्रकृति-प्रेम और आस्था से जुड़ा हुआ है। इस दिन करमा वृक्ष की पूजा की जाती है और यह मान्यता है कि करमा देव की कृपा से जीवन में सुख-समृद्धि, अच्छी फसल और खुशहाली आती है। युवतियां और युवक मिलकर करमा गीत गाते और नृत्य करते हैं। यह त्यौहार सामाजिक एकजुटता और भाईचारे को भी मजबूत करता है। इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने समस्त प्रदेशवासियों को करमा तिहार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व सबके जीवन में नई ऊर्जा, खुशियां और समृद्धि लेकर आए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपनी लोकसंस्कृति और परंपराओं को संजोकर रखें, क्योंकि यही हमारी असली पहचान है।

न्योता भोज : छात्र-छात्राओं में विशेष उत्साह की भावना व हर्ष-उल्लास का वातावरण विकसित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर के काठाडीह परिसर स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के अंतर्गत सामुदायिक भागीदारी से विद्यार्थियों को न्योता भोज दिया गया।

रायपुर के संभागायुक्त एवं कुलपति महादेव कावरे एवं जयश्री कावरे द्वारा अपने सुपुत्र मौक्तिक कावरे के जन्मदिन के अवसर पर ग्रामीण छात्र-छात्राओं के बीच अपनेपन की भावना का विकास, भोजन के पोषक मूल्य में वृद्धि तथा सभी समुदाय वर्ग के बच्चों में समानता की भावना विकसित करने के उद्देश्य से किया। इसमें लगभग 150 शालेय छात्र-छात्राओं ने उत्साह से भागीदारी की। कार्यक्रम के आरंभ में जयश्री कावरे का शाला नायक एवं नायिका द्वारा स्वनिर्मित पुष्प गुच्छ से स्वागत किया एवं शुभकामना पत्र भेंट किया। संक्षिप्त स्वागत कार्यक्रम के पश्चात शाला के विकास कार्यों की तथा प्रतिभावान विद्यार्थियों की जानकारी प्रभारी प्रधान पाठिका उषा साव ने दी। अतिथियों के साथ पंगत में न्योता भोज से छात्र-छात्राओं में विशेष उत्साह की भावना एवं हर्ष-उल्लास का वातावरण विकसित हुआ। शाला परिसर में एक पेड़ मां के नाम का पौधारोपण जयश्री कावरे ने किया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की विशेष पहल पर छत्तीसगढ़ के स्कूलों में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों के माध्यान भोजन में सामुदायिक भागीदारी एवं सहभागिता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसमें परोसने वाले गर्म भोजन को और अधिक स्वादिष्ट और अधिक पोषकयुक्त करने अभिनव पहल में सामुदायिक सहभागिता गाईड लाईन में प्रत्येक माह 'न्योता भोजन' किया जा रहा है। सामुदायिक भागीदारी अवधारणा में 'न्योता भोजन' स्वैच्छिक सेवा कार्य है। जिसमें कोई भी सेवा भावी नागरिक, समुदाय, समाज अथवा कोई भी सामाजिक संगठन, स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पूर्ण भोजन अथवा अतिरिक्त पूरक पोषण खाद्य सामग्री का योगदान कर सकेंगे। न्योता भोजन, स्कूल में दिए जाने वाले भोजन का विकल्प नहीं होगा, बल्कि यह विद्यार्थियों को दिए जा रहे भोजन का पूरक होगा।

यह विभिन्न त्यौहारों या वर्षगांठ, जन्मदिन, विवाह और राष्ट्रीय पर्व आदि पर सहभोज की भारतीय परम्परा पर आधारित है। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना में समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिये छत्तीसगढ़ अतिरिक्त पूरक पोषण में मिठाई, नमकीन, फल या अंकुरित अनाज आदि का योगदान कर सकते हैं। इसमें उपयोगी किचन के बर्तन भी दान कर सकते है। 'न्योता भोजन' कार्यक्रम के संचालन शाला की शिक्षिकाएं मनीषा शर्मा, देवकी साहू, ममता डडसेना एवं मेझरेन खाखा ने किया। शाला के रसोईयों लक्ष्मी ध्रुव, विमला ध्रुव, उमा धनगर ने बनाकर बच्चों को परोसा तथा स्वच्छता कर्मचारी राजबती साहू रही।

'उत्थान परियोजना' द्वारा ग्राम ताराशिव में खेल दिवस का सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अदाणी फाउंडेशन की उत्थान परियोजना के अंतर्गत ग्राम ताराशिव में खेल दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय के बच्चों के साथ-साथ गाँव की माताओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेल दिवस के दौरान कबड्डी, मटका दौड़, मटका फोड़, कुर्सी दौड़ जैसे विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य प्रतिभागियों के शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक विकास और टीम भावना को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम में विजेताओं को सम्मानित किया गया और उनके प्रयासों की सराहना की गई। विशेष बात यह रही कि माताओं ने भी सक्रिय भागीदारी कर बच्चों के साथ अपनी प्रतिभा और ऊर्जा का परिचय दिया। इस अवसर पर 150 से अधिक लोग उपस्थित रहे, जिनमें 19 माताओं ने खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम की सरपंच पूर्णिमा वर्मा, पंचगण विद्या वर्मा, मैना वर्मा, हेमंत वर्मा, भूलौ वर्मा, मोनू यादव एवं कृपा वर्मा-तथा विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकागण उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों ने बच्चों और माताओं को खेल भावना की शपथ दिलाई और प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर सरपंच पूर्णिमा वर्मा ने कहा माताओं ने बच्चों के साथ मिलकर खेलों में भाग लेकर यह साबित कर दिया कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवन का आधार भी हैं। माताओं ने अदाणी फाउंडेशन उत्थान परियोजना का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे आयोजनों को निरंतर रूप से करने की इच्छा व्यक्त की। इस आयोजन ने ग्रामवासियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। अदाणी फाउंडेशन को विश्वास है कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों और माताओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होंगे।

गणपति बप्पा कल होंगे, विदा विसर्जन के लिए तैयारी पूरी, कुंड में तैनात रहेंगे 90 गोताखोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में बैंड बाजे के साथ धूमधाम से विराजे गणपति बप्पा 6 सितंबर को अनंत चतुर्दशी को विदा होंगे। विसर्जन का सिलसिला तीन दिनों तक चलेगा। इसके लिए महादेवघाट स्थित विसर्जन कुंड को तैयार कर लिया गया है। जोन 8 कमिश्नरी ने कुंड की सफाई करवाने के बाद दोबारा साफपानी भरने का काम पूरा कर लिया है। बप्पा की आकर्षक मूर्तियों के सम्मान पूर्वक विसर्जन के लिए स्थल पर तीन पाली में 90 गोताखोर मौजूद रहेंगे। यानी एक पाली में 30 गोताखोरों की डयूटी लगाई जा रही है। गोताखोर उपलब्ध कराने नगर निगम जोन 8 ने टेंडर कर दिया है।

दरअसल, शहर में 11 दिनों तक चलने वाले गणेशोत्सव पर्व का 6 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन विधि-विधान से पूजा अर्चना के बाद समापन होगा। इस दिन शहरभर में अलग-अलग पंडालों और घरों सहित अन्य स्थलों पर स्थापित सिद्धिविनायक की मनोहारी प्रतिमाओं को महादेवघाट स्थित विसर्जन कुंड विदाई देने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। नगर निगम प्रशासन अभी से इसकी तैयारियों में जुट गया है। विसर्जन कुंड में जमी गंदगी को साफ कराने के बाद दोबारा उसमें पंप की सहायता से नदी का साफपानी भरा गया है।

महादेवघाट के समीप विसर्जन कुंड स्थल के आसपास नदी किनारे माना के एसडीआरएफ का दस्ता आपात स्थिति पर नजर रखने मौजूद रहेगा। इसके अलावा आकस्मिक आगजनी पर नियंत्रण के लिए फायरब्रिगेड की गाड़ी उपलब्ध रहेगी। साथ ही आपात स्थिति में प्राथमिक उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम और स्वास्थ्य कैंप के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट की व्यवस्था रहेगी। द्वारा जोन स्तर पर शहर के तालाबों के पास छोटी मूर्तियों के सम्मानपूर्वक विसर्जन के लिए 40 अस्थायी विसर्जन कुंड की व्यवस्था रहेगी, जहां छोटी मूर्तियां सम्मान के साथ श्रद्धालुओं से लेकर निगम की गाड़ियों में उसे विसर्जन स्थल तक पहुंचाया जाएगा।

गणपति विसर्जन के लिए सुबह से देर शाम तक विसर्जन स्थल पहुंचने वाले आयोजकों तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए निगम प्रशासन द्वारा 10 आचार्यों की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए संस्कृत कालेज से आचार्य बुलाए जाएंगे, जिन्हें निगम की ओर से सम्मान राशि भी मिलेगी। कुंड के पास श्रद्धालुओं से मंत्रोच्चार के साथ आचार्य जन प्रतिमाओं का विसर्जन कराने मौजूद रहेंगे। वहीं विसर्जन स्थल पर पूजन सामग्री को अलग से रखने की व्यवस्था बनाई जा रही है।

नगर निगम आयुक्त विश्वदीप द्वारा गणेश विसर्जन की प्रशासनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए 10 जोन के जोन कमिश्नर सहित जोन के अधिकारी, कर्मचारी की टीम बनाकर 3 अलग-अलग पाली में डयूटी लगाई जाएगी। जो विसर्जन कुंड में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन व्यवस्था के सुचारू संचालन की मानिटरिंग करने मौजूद रहेंगे। 8-8 घंटे की ड्यूटी तीन पाली में लगायी जा रही है। विसर्जन कुंड स्थल इसके लिए अलग से मंच रहेगा, जहां से वे बैठकर पूरे स्पॉट की निगरानी करेंगे। इसके अलावा नावों की व्यवस्था, श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, सार्वजनिक प्रसाधन व्यवस्था के लिए मोबाइल टायलेट वाहन भी स्थल पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

साधना की वृद्धि से ही होगी आत्म शुद्धि : मनीष सागर महाराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। टैगोर नगर पटवा भवन में जारी चातुर्मासिक प्रचवनमाला में बुधवार को युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि स्वार्थ परायण, भोग परायण नहीं बनना है। धर्म कार्य में सीमित नहीं रहना है। मोक्ष की साधना करना है। इन चार पुरुषार्थ में मोक्ष का पुरुषार्थ सबसे उच्च है। स्वार्थ हावी होने से परमार्थ समझ नहीं आता। साधना की वृद्धि से ही आत्म शुद्धि होगी। साधना परायण बनाना होगा। साध्य को पाने के लिए साधना करना है। साधना से साधक का साध्य मोक्ष हासिल करना होना चाहिए।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि मन में स्वार्थ भर जाता है तब धर्म दूर हो जाता है।

स्वार्थी व्यक्ति हमेशा अपना हित ही करता है। सबसे पहली गलती वह स्वयं को भूल जाता है। उसे झूठा स्व सच्चा स्व लगता है। मैं कौन हूं, मेरा कौन है यह भूल जाता है। स्वार्थी व्यक्ति केवल आत्म केंद्रित हो जाता है। सच्चे स्व- अर्थी परमात्मा है। परमात्मा ने सच्चे स्व को पहले तलाश किया। सच्चे स्व का हित कैसे होता है उसके लिए पूरा पुरुषार्थ झौक दिया। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हमने भूल की और झूठा स्व को सच्चा स्व मान लिया है। देह को स्व मान बैठे और आत्मा को भूल गए। झूठे स्व का हित कर पूरे पुरुषार्थ में पानी फिर जाता है। हम झूठे स्व को सच्चा स्व बनाने का प्रयास कर रहे हैं। जितना हम झूठे स्वार्थी होते जाते हैं। उतना सच्चे स्व की पहचान कराने वाले से दूर होते रहते हैं। आत्मा की बात बोझिल लगती है। आत्म कल्याण कराने वालों के प्रति रुचि नहीं आती है। जिन वाणी के प्रति समर्पण नहीं आता । अच्छी नीतियों की बात होती है तो नींद आती है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि स्वार्थ हावी हो तो परमार्थ को समझ नहीं सकते। हमें धर्म में रूचि बढ़ाना है। ऐसा मत सोचो कि धर्म तो करना है लेकिन अधिक नहीं करना है। धर्म नापतौल कर मत करो। सीमित दायरे में धर्म नहीं करना है। ऊपर उठने का प्रयास करना है। 10 साल से पूजा कर रहे यह उपलब्धि है। इससे ऊपर नहीं उठाना कमजोरी है। वहीं के वहीं सीमित नहीं होना है। हमेशा ऊपर उठने का पुरुषार्थ करना है। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि दो प्रकार की संपत्ति है।।एक बाहर के धन दौलत आदि और दूसरा भीतर की सन्मति। सन्मति अर्थात सही ज्ञान। सन्मति रूपी संपदा का उपयोग करना ही समझदारी है। साधना के क्षेत्र में सन्मति आ जाए तो धर्म के क्षेत्र में इसकी सार्थकता है। तभी देव,गुरु और धर्म से जुड़ाव होगा। तभी मति सन्मति हो जाएगी। आत्म कल्याण संभव हो पाएगा। वर्तमान के साथ भविष्य भी सुधर जाएगा।

सिंचाई योजना के लिए राशि स्वीकृत

रायपुर। जल संसाधन विभाग ने रायपुर जिले की दो सिंचाई योजना के कार्यों के लिए 7 करोड़ 58 लाख 64 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। आरंग विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम चकवे के बंजारी नाला में स्टाप डेम निर्माण कार्य हेतु 3 करोड़ 36 लाख 39 हजार रुपये स्वीकृत किये हैं। इसी तरह से धरसींवा के अंतर्गत भिम्भौरी जलाशय के नहर लाईनिंग एवं जीर्णोधार कार्य के लिए 4 करोड़ 22 लाख 25 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

800 साड़ियों से बॉडीगार्ड्स की हीरो वाली कहानी तक, विवादास्पद दावों से सुर्खियां में छाईं तान्या

बिग बॉस 19 अपने दूसरे हफ्ते में है। घर में रोज नए ड्रामेबाजी देखने को मिल रही हैं। इस नए सीजन में तान्या मित्तल लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अपने बेबाक अंदाज, तीखे वन-लाइनर्स और जबरदस्त कॉन्फ्रंटेशन से उन्होंने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोरी है। शो में रहते हुए तान्या ने कई ऐसे दावे किए हैं, जिन्होंने फैंस को हैरान कर दिया।

तान्या मित्तल ने हाउसमेट मृदुल तिवारी के साथ बातचीत में कहा कि उन्हें अपना नाम बुलाया जाना पसंद नहीं है। उन्होंने मृदुल से कहा, 'मुझे 'बॉस' बुलाओ, मुझे मेरे घर में लोग मुझे ऐसे ही बुलाते हैं।' यह बयान न केवल हाउस में बल्कि बाहर भी चर्चा का विषय बन गया, जिसे कुछ ने उनकी आत्मविश्वास भरी शख्सियत माना, तो कुछ ने इसे अहंकार भरा बताया। तान्या ने बताया कि वे ज्यादा ओपन नहीं हैं, इसलिए हर जगह साड़ी पहनना पसंद करती हैं। हालांकि, उनके इस बयान पर सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाए, क्योंकि उनके पुराने इंस्टाग्राम रील्स में वह आत्मविश्वास के साथ साड़ी और ब्लाउज स्टाइल करती दिखीं। नेटिजन्स ने इसे 'दोहरा मापदंड' बताकर उनकी आलोचना की।

तान्या मित्तल ने बिग बॉस हाउस में 800 से ज्यादा साड़ियां लाने का दावा किया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं अपनी लग्जरी नहीं छोड़ रही, मैं अपने गहने, एक्सेसरीज और 800 से ज्यादा साड़ियां साथ लाई हूं। हर दिन मैं तीन साड़ियां बदलूंगी।' यह दावा उनके फैशन के प्रति जुनून को दर्शाता है, लेकिन इसने सोशल मीडिया पर मीम्स और ट्रोल्स की बाढ़ ला दी।

तान्या ने बताया कि उनके बॉडीगार्ड्स ने 2025 के प्रयागराज कुंभ मेले में 100 लोगों की जान बचाई, जिसमें पुलिसवाले भी शामिल थे। कुछ हाउसमेट्स ने तो यह भी दावा किया कि उनके पास 150 से ज्यादा बॉडीगार्ड्स हैं। इस बयान ने दर्शकों के बीच संदेह पैदा किया और कईयों ने इसे अतिशयोक्ति करार दिया। पहले हफ्ते में तान्या ने बर्तन धोने की जिम्मेदारी तो ली, लेकिन एक शर्त रखी कि वह नॉन-वेज खाना पकाने के लिए इस्तेमाल हुए बर्तनों को नहीं धोएंगी।। इस शर्त ने हाउस में नई बहस छेड़ दी और दर्शकों के बीच उनकी छवि को और विवादास्पद बना दिया। तान्या ने यह भी दावा किया कि न तो वह और न ही उनकी मां को खाना बनाना आता है। हालांकि, उनके इस बयान पर सवाल उठे जब उनकी एक पुरानी वीडियो सामने आई, जिसमें वह खाना बनाने की बात करती दिखीं। सोशल मीडिया पर इसे 'पाखंड' कहकर उनकी आलोचना हुई।

पहले हफ्ते में तान्या ने बर्तन धोने की जिम्मेदारी तो ली, लेकिन एक शर्त रखी कि वह नॉन-वेज खाना पकाने के लिए इस्तेमाल हुए बर्तनों को नहीं धोएंगी।। इस शर्त ने हाउस में नई बहस छेड़ दी और दर्शकों के बीच उनकी छवि को और विवादास्पद बना दिया। तान्या ने हाउसमेट नीलम गिरी के साथ बातचीत में अपने घर की तुलना स्वर्ग से की। उन्होंने कहा कि मेरा घर इतना खूबसूरत है कि 5 या 7 सितारा होटल भी इसके सामने सस्ते लगें। मेरे कपड़ों के लिए 2500 वर्ग फुट का पूरा फ्लोर है और हर फ्लोर पर 5 नौकर और 7 ड्राइवर हैं।' इस बयान पर इंटरनेट ने मजेदार मीम्स बनाए।

26 साल की तान्या मित्तल, जो ग्वालियर, मध्य प्रदेश से हैं, एक आर्किटेक्ट, मिस एशिया टूरिज्म 2018, और उद्यमी हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 2.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं, और वह अपने ब्रांड 'हैंडमेड विद लव बाय तान्या' के जरिए हैंडबैग्स और साड़ियां बेचती हैं। बिग बॉस 19 में उनकी एंट्री ने पहले ही दिन से सुर्खियां बटोरीं, लेकिन उनके दावों ने उन्हें ट्रोल्स का निशाना भी बनाया। हाल ही में उनके पूर्व बॉयफ्रेंड बलराज सिंह ने उन्हें 'फेक' करार देते हुए कहा था तान्या की सबसे बड़ी समस्या है संतुष्टि। वह लोगों को दोस्त बनाती हैं, अपनी बात कहकर संतुष्ट होती हैं और फिर उन्हें छोड़ देती हैं। यह बयान भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

मिनी स्कर्ट में झालर लटका पेरिस पहुंचीं दीपिका ने रचा इतिहास, ग्लैमर देख रणवीर पर चढ़ा प्यार का खुमार

दीपिका पादुकोण चाहे किसी ग्लोबल इवेंट का हिस्सा बने या फिर रेड कार्पेट पर नजर आए, उनका स्टाइलिश अवतार फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होता। और, अब तो वह पेरिस में एक इवेंट में शामिल होकर इतिहास ही रच गईं। जहां उनका अंदाज इतना कमाल का लगा कि फैंस ही नहीं रणवीर सिंह भी उनकी तारीफ कर बैठे।

दीपिका पादुकोण का नाम बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार है, जो जब भी पर्दे पर नजर आती हैं, तो हर किसी को दीवाना बना जाती हैं। खासकर, उनके फैशनेबल अंदाज को लोग काफी पसंद करते हैं। ऐसे में वह जहां जाती हैं, सबकी नजरें उनके स्टाइलिश रूप पर ही टिक जाती हैं। अब पेरिस में हुए LVMH प्राइज 2025 इवेंट में भी कुछ ऐसा हुआ। जहां वह भारत की ओर से पहली जूरी मेंबर बनकर पहुंचीं और इतिहास रच गईं। दरअसल, इवेंट में दीपिका का स्टाइल हमेशा की तरह लाइमलाइट बटोर ले गया। जिसे बड़े- ही ग्रेस के साथ उन्होंने कैरी किया। जहां ग्लैमर और क्लास का परफेक्ट कॉम्बिनेशन देखने को मिला। तभी तो पति रणवीर सिंह भी उनकी तारीफ कर बैठे। वहीं, 39 साल की हसीना की ब्यूटी ने बाकी सबको भी इंप्रेस किया।

ग्लैमरस है दीपिका का अंदाज

दीपिका लग्जरी ब्रांड LV की ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर हैं, इसलिए इस इवेंट में उनकी मौजूदगी तय थीं। जहां वह फैशन इंडस्ट्री के कई दिग्गज लोगों के साथ नजर आईं। लेकिन, फिर भी हसीना सबको पीछे छोड़ बाजी मार गईं। जहां वह LV के स्प्रिंग/समर 2025 कलेक्शन की ओवरसाइज्ड शर्ट और मिनी स्कर्ट पहन बेहद ग्लैमरस लगीं।

ऐसी है शर्ट

डीटेल में दीपिका के कपड़ों की बात करें तो उन्होंने ब्रांड की ओवरसाइज्ड सिल्क शर्ट पहनी। जिस पर ब्राउन और गोल्डन शाइनी शेड में एब्सट्रैक्ट प्रिंट हुआ है। जहां हाफ स्लीव्स की कॉलर वाली शर्ट को डीप वी नेकलाइन दी। जिससे इसका लूज फिटेड पैटर्न लुक में कूल वाइब्स ऐड कर गया।

मिनी स्कर्ट से लुक किया पूरा

अपनी ओवरसाइज्ड शर्ट को स्टाइलिश टच देने के लिए दीपिका ने साथ में मिनी स्कर्ट पेयर की। गोल्डन कलर की इस स्कर्ट पर भी सेक्विन सितारे लगे हैं। जिससे लुक में ढेर सारा ब्लिंग ऐड हो गया और बाकी की कसर इस पर लगे फ्रिंजेज ने पूरी कर दी। जिससे दीपिका का लुक स्टाइल के मामले में एक लेवल ऊपर हो गया।

झालर जैसा डिजाइन कमाल

दरअसल, स्कर्ट के ऊपर सनहरे सेक्विन सितारों से बनी झालर जैसी डीटेलिंग की गई है, जो इसे अट्रैक्टिव बना रही है। जिसे असल में फ्रिंजेज कहा जाता है। इसमें धागे, मोती या सेक्विन की लंबी- लंबी स्ट्रिप्स को लटकाया जाता है, जो इसे फ्लोइ और ड्रामेटिक इफेक्ट देती हैं। जैसे कि यहां येलो, गोल्ड और ब्राउन शेड वाली एंकल लेंथ फ्रिंजेज लुक में स्टाइलिश इफेक्ट क्रिएट कर रही हैं।

जूलरी को रखा न के बराबर

दीपिका का लुक उनके अक्सर नजर आने वाले अंदा से काफी हटके है। जिसे उन्होंने स्टाइल भी इसी को ध्यान में रखते हुए किया। तभी तो वह जूलरी के नाम पर बस गोल्डन स्टाड इयररिंग्स पहने नजर आईं। जहां उनका स्लिक बन बनाए ब्राउनिश टोन मेकअप में अंदाज कातिलाना लगा।

ऐसे दिया फाइनल टच

जूलरी की बात तो हो गई, जब जरा दीपिका के बैग और हील्स पर भी ध्यान दे लीजिए। अपने लुक को कॉम्प्लिमेंट करने के लिए हसीना ने ब्लैक कलर का एलवी का ही बैग कैरी किया, जो फॉल/ विंटर 2025 के कलेक्शन से है। जिसकी स्ट्रैप्स को ब्राउन रखा है, तो साथ में ब्लैक पंप हील्स का कम्बिनेशन पूरे अटायर के साथ जचा।

रणवीर ने न्यू मॉम पर फैंस की तरह लुटाया प्यार

दीपिका का स्टाइलिश अवतार जैसे ही सामने आया, तो उनकी फोटोज तेजी से सोशल मीडिया पर छा गईं। जिसे देख फैंस ही नहीं, पति रणवीर भी उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए और फायर इमोजी के साथ लिखा, हॉट मामा। इसी तरह नेहा धूपिया ने उन्हें गॉर्जियस, तो किसी ने मां बनने के बाद एक्ट्रेस की खूबसूरती बढ़ने की बात की।

मन्नू क्या करेगा? का ट्रेलर रिलीज, रोम-कॉम म्यूजिकल फिल्म में दिखेगी व्योम और साची की चमक

अब टूटे दिलों के गीतों को भूल जाइए क्योंकि बॉलीवुड का रोमांस अब एक नए अपग्रेड के साथ आया है! मन्नू क्या करेगा? का ट्रेलर आखिरकार आ चुका है, और इसमें वो सब कुछ है, जो हम एक क्लासिक बॉलीवुड रोमांस में ढूंढते हैं। खासकर झिलमिलाती केमिस्ट्री, सच्ची भावनाएं और ऐसा संगीत जो ट्रेलर खत्म होने के बाद भी दिल में गूंजता रहता है।

क्यूरियस आईज सिनेमा के बैनर तले शरद मेहरा द्वारा प्रोड्यूस और संजय त्रिपाठी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नए चेहरे व्योम और साची बिंद्रा नज़र आएंगे, जिनकी शानदार केमिस्ट्री पहले ही दर्शकों का दिल जीत रही है। इनके साथ मजबूत सहायक कलाकारों में विनय पाठक, कुमार मिश्रा और चारू शंकर जैसे नाम भी शामिल हैं, जो फिल्म को और भी दमदार बनाते हैं। पहले ही फ्रेम से फिल्म की वाइब बेहद ताजगी भरी और रंगीन नजर आती है। व्योम और साची की प्यारी सी केमिस्ट्री दर्शकों को तुरंत उनका दीवाना बना देती है ये दोनों सहज, मनमोहक और पुराने जमाने की रोमांटिक जादू को नए ट्विस्ट के साथ लेकर आते हैं, लेकिन सिर्फ़ हंसी-ठिठोली तक ही बात नहीं रुकती, ट्रेलर रोमांस की दुनिया में परिवार के ड्रामे, भावनात्मक उतार-चढ़ाव और पहली मोहब्बत की मीठी-सी कसक को भी बखूबी दिखाता है।

और फिर आती है इस फिल्म की जान, जो है इसका संगीत। ट्रेलर में छाए दिल को छू लेने वाला ट्रैक हमनवा, इस बात का इशारा करता है कि फिल्म का साउंडट्रैक 2025 के रोमांटिक म्यूज़िक सीन को हिलाकर रख देगा। अगर टीज़र ने एक झलक दिखाई थी, तो ट्रेलर ने पक्का कर दिया है कि ये फिल्म हर किसी की लव प्लेलिस्ट में शामिल होने वाली है। ट्रेलर रोमांस के हर रंग की झलक दिखाता है, फिर वो चाहे मस्ती हो, ड्रामा हो, दिल टूटने की कसक हो या खुद को खोजने की खुशी हो। फिलहाल नए चेहरों के साथ, गहरी भावनाओं और संगीत से सजी ये फिल्म 2025 की सबसे बड़ी मस्ट-वॉच फिल्मों में से एक बनने जा रही है। मन्नू क्या करेगा? सिनेमाघरों में 12 सितम्बर 2025 को रिलीज हो रही है ।

हो जाइए तैयार 'लूट मुबारक' के लिए

पंजाबी और टीवी जगत की मशहूर अभिनेत्री कनिका मान ने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक खास पोस्ट की, जिसने उनके फैंस का जोश हाई है। ये पोस्ट उनकी आने वाली फिल्म लूट मुबारक का आधिकारिक पोस्टर है, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठाया गया है। कनिका मान ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लूट मुबारक फिल्म का पोस्टर साझा किया, जिसमें फिल्म का नाम गुरमुखी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखा हुआ है। पोस्टर में मुख्य कलाकार हरीश वर्मा और कनिका मान के नाम भी नजर आ रहे हैं। साथ ही फिल्म के निर्माता, निर्देशक और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई है। यह फिल्म 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में ड्रामा, बदला और प्यार देखने को मिलेगा।

टीवी कलाकार कनिका मान ने दिया निमंत्रण!

कनिका मान ने अपने कैप्शन में लिखा है, वाहेगुरु जी जब हमारे दिल उन लोगों के लिए दुखते हैं जो विपदा का सामना कर रहे हैं, तब हम अपनी नई फिल्म एक छोटे से संदेश के रूप में साझा करते हैं, जो बताती है कि कहानियां सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं होतीं, बल्कि वे हमें जोड़ती हैं, हमें ताकत देती हैं और दुखों को कम करने में मदद करती हैं। सोशल मीडिया पर उनके फैंस इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और आने वाली फिल्म के लिए शुभकामनाएं भी दे रहे हैं। बता दें कि कनिका हाल ही में पंजाबी फिल्म 'जॉम्बीलैंड' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ बिन्नू ढिल्लों, अंगीरा धर, जी खान गुरी, धनवीर सिंह और जस्सा ढिल्लों समेत कई कलाकार अहम किरदार में हैं। यह फिल्म भारत की पहली पंजाबी जॉम्बी कॉमेडी है, जिसे लेखक-निर्देशक थापर ने बनाया था। वहीं इसे 'नेक्स्ट लेवल प्रोडक्शंस' के बैनर तले नीरज रुहिल और सुभव शर्मा द्वारा निर्मित किया गया। यह फिल्म पांच भाषाओं पंजाबी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज हुई थी।

आईलैश एक्सटेंशन बनवाने के बाद इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

आईलैश एक्सटेंशन एक लोकप्रिय सौंदर्य उपचार है, जो आंखों को बड़ा और आकर्षक दिखाने में मदद करता है, लेकिन इसे करवाने के बाद कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है ताकि यह लंबे समय तक टिक सके। अगर आप पहली बार आईलैश एक्सटेंशन करवा रहे हैं तो आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। इससे न केवल आपकी आईलैश एक्सटेंशन बेहतर दिखेगी, बल्कि वह लंबे समय तक टिकेगी। आइए इन बातों के बारे में जानते हैं।

सबसे पहले आईलैश एक्सटेंशन के बाद आंखों को पानी से दूर रखें

आईलैश एक्सटेंशन बनवाने के बाद सबसे जरूरी बात यह है कि आपको 48 घंटे तक अपनी आंखों को पानी से दूर रखना चाहिए। इससे गोंद सही से जम पाती है और आपकी आईलैश एक्सटेंशन लंबे समय तक टिक सकती है। पानी के संपर्क में आने से गोंद कमजोर हो सकती है, जिससे आपकी आईलैश एक्सटेंशन जल्दी खराब हो सकती है। इसलिए पहले 48 घंटे तक पानी से पूरी तरह बचें।

भारी मेकअप करने से बचें

आईलैश एक्सटेंशन करवाने के बाद भारी मेकअप करने से बचें, खासकर आंखों का मेकअप। इससे आपकी आईलैश एक्सटेंशन पर बुरा असर पड़ सकता है। हल्का मेकअप ही करें ताकि आपकी आईलैश एक्सटेंशन सुरक्षित रहे और अच्छी दिखे। भारी मेकअप से गोंद पर असर पड़ सकता है, जिससे आपकी आईलैश एक्सटेंशन जल्दी खराब हो सकती है। इसलिए हल्का और प्राकृतिक मेकअप ही करें ताकि आपकी आईलैश एक्सटेंशन लंबे समय तक टिक सके।

तेल वाले उत्पादों से बचें

आईलैश एक्सटेंशन बनवाने के बाद तेल वाले उत्पादों का उपयोग न करें जैसे कि तेल वाली क्रीम या सीरम आदि। ये

गोंद को कमजोर कर सकते हैं और आपकी आईलैश एक्सटेंशन को खराब कर सकते हैं। इसके बजाय आप पानी या हल्के टोनर का उपयोग करें जो आपकी त्वचा को साफ रखेगा बिना आपकी आईलैश एक्सटेंशन को नुकसान पहुंचाए। इससे आपकी आईलैश एक्सटेंशन सुरक्षित रहेगी और लंबे समय तक टिकेगी।

आईलैश एक्सटेंशन को छूने और खींचने से बचें

आईलैश एक्सटेंशन बनवाने के बाद उन्हें बार-बार छूने या खींचने से बचें क्योंकि इससे आपकी आईलैश एक्सटेंशन कमजोर हो सकती है। अगर आपको खुजली हो रही हो तो हल्के हाथों से खुजाएं या आईलैश ब्रश का उपयोग करें। इसके अलावा कभी भी आईलैश एक्सटेंशन को खींचने की कोशिश न करें, इससे आपकी प्राकृतिक आईलैश भी निकल सकती हैं। ऐसा करने से आपकी आईलैश एक्सटेंशन की उम्र कम हो सकती है।

नियमित रूप से आईलैश ब्रश का करें इस्तेमाल

आईलैश एक्सटेंशन को साफ रखने के लिए नियमित रूप से आईलैश ब्रश का उपयोग करें। इससे आपके आईलैश सेट सही स्थिति में रहेगा और वह आकर्षक दिखेगा। इन सरल टिप्स को अपनाकर आप अपनी आईलैश एक्सटेंशन को सुरक्षित रख सकते हैं और उसे लंबे समय तक टिके रहने वाली बना सकते हैं। ध्यान रखें कि सही देखभाल ही आपकी खूबसूरती को बनाए रखेगी।

विसंगतियां दूर करने संपत्ति कर सुधार अति आवश्यक : अरुण साव

वार्षिक भाड़ा मूल्य को संपत्ति के वर्तमान मूल्यों के अनुरूप अपडेट करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज नगरीय निकायों में संपत्ति करों के युक्तियुक्तकरण के लिए बैठक ली। मंत्रालय, महानदी भवन में आयोजित वर्चुअल बैठक में राज्य के सभी नगर निगमों के महापौर व आयुक्त तथा नगर पालिकाओं व नगर पंचायतों के अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री साव के साथ नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संचालक श्री आर. एक्का भी मंत्रालय से बैठक में ऑनलाइन जुड़े।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बैठक में कहा कि नगरीय निकायों के कार्यों से प्रदेश की छवि निर्मित होती है। शहर में नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना संबंधित नगरीय निकाय की जिम्मेदारी है। उन्होंने महापौरों तथा नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के अध्यक्षों से कहा कि शहर को आगे ले जाने का जिम्मा आप पर है। शहर में संपत्ति करों के मूल्यांकन और उनमें सुधार की शुरुआत अपने कार्यालयों और अपने घरों से करें। उन्होंने कहा कि वार्षिक भाड़ा मूल्य (ऋङ्क) को वर्तमान संपत्ति मूल्यों के अनुरूप अपडेट करने से राजस्व में अच्छी बढ़ोतरी होगी। इससे कर भार सभी संपत्ति मालिकों पर समानुपातिक रूप से वितरित होगा। उन्होंने कहा कि अधिक राजस्व से निकाय वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनेंगे और उन्हें अनुदानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। बढ़े हुए राजस्व से नागरिकों को तेजी से बेहतर जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने नगरीय निकायों से कहा कि राज्य शासन की मंशा ई-गवर्नेंस मॉडल के माध्यम से नागरिकों को पारदर्शी और सुगम सेवाएं प्रदान करने की है। यह शहरों के चहुंमुखी विकास और त्वरित नागरिक सेवाओं के लिए जरूरी है। इससे साफ-सफाई, पानी और बिजली आपूर्ति की व्यवस्थाएं और बेहतर होंगी। श्री साव ने बताया कि वर्ष 2016 के बाद से संपत्ति कर प्रणाली में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके चलते कई नगरीय निकायों में विसंगतियां उत्पन्न हो गई हैं। उन्होंने सभी महापौरों और अध्यक्षों से संपत्ति करों में सुधार के कार्यों को पूरी शिद्दत और गंभीरता से करने का आग्रह किया।

श्री साव ने बैठक में नगरीय निकायों को अटल परिसरों और नालंदा परिसरों के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों को अच्छी गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने को कहा। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को रोज प्रात: भ्रमण कर निर्माण और साफ-सफाई के कार्यों का निरीक्षण करने को भी कहा। उन्होंने निविदा प्रक्रिया में त्रुटि या लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी। नगरीय प्रशासन विभाग की उप सचिव डॉ. रेणुका श्रीवास्तव, राज्य शहरी विकास अभिकरण के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय और नगरीय प्रशासन विभाग के अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य भी बैठक में मौजूद थे।

महानगरों के प्ले स्कूल की तरह सुंदर आंगनबाड़ी पहाड़ी कोरवा बस्तियों में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुट्ठी से जिस तरह कोई जुगनू निकल पड़े, देखा उसे तो आंख से आंसू निकल पड़े। पहाड़ी कोरवा बस्तियों की नई पीढ़ी के बच्चे जुगनुओं की तरह उम्मीद की रौशनी से जगमगा रहे हैं। पीएम जनमन योजना के तहत बना जशपुर जिले के ग्राम दर्रीपारा कुटमा का आंगनबाड़ी केंद्र महानगरों के प्ले स्कूल की तरह नजर आता हैं जहां छोटे छोटे टेबल हैं, सामने एक टीवी है, जहां गुलजार का गीत लकड़ी की काठी चल रहा है खेल-खेल के बहाने बच्चों का बाहरी दुनियां से सरोकार हो रहा है।

यह परिवर्तन आया है, पीएम जनमन योजना से। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार पहाड़ी कोरवा बस्तियों में हरसंभव सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से यह कार्य हो रहा है। इसी के मुताबिक महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में इस योजना के तहत 17 आंगनबाड़ी केंद्रों की स्वीकृति दी गई है। कुटमा की आंगनबाड़ी एक छोटे से प्ले स्कूल की तरह है जहां बहुत सारे खिलौने हैं और खेल खेल में ही शिक्षा की अलख जगाई जा रही है, बच्चों को ड्रेस प्रदान की गई है। एक बिल्कुल साफ्सुथरा व्यवस्थित आंगनबाड़ी केंद्र बना है। बिल्कुल अंदरूनी बसाहटों में भी पीएम जनमन योजना के तहत हो रहे इन कार्यों से बड़ी उम्मीद सामने आती है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में यह आंगनबाड़ी केन्द्र बनकर तैयार हो रहे हैं। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने इन केंद्रों में साफ पानी सहित सभी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित कराई हैं। यहां आरओ वाटर की सुविधा है। जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने बताया कि यहां 6 वर्ष तक के बच्चों को प्रतिदिन गर्म भोजन दिया जाता है।

शिक्षा की गुणवत्ता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: शिक्षा मंत्री यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने मंत्रालय (महानदी भवन) में समग्र शिक्षा विभाग के अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में राज्य में संचालित शैक्षणिक योजनाओं, कार्यक्रमों और गतिविधियों की समीक्षा की गई। मंत्री श्री यादव ने कहा कि समग्र शिक्षा अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है।

इसके लिए सभी अधिकारियों को गंभीरता और जिम्मेदारी से कार्य करना होगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य के सभी शासकीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार, विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों में वृद्धि तथा आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।मंत्री यादव ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें ढिलाई, भ्रष्टाचार और गैर-जिम्मेदारी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में समग्र शिक्षा विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

व्यावसायिक शिक्षकों की भर्ती में सबसे अधिक शिकायतें आने पर मंत्री ने नाराज़गी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक शिक्षकों की भर्ती में किसी भी प्रकार का लेन-देन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषी पाए जाने पर कठोर कार्यवाही होगी। गड़बड़ी की पुलिस से जांच कराने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री यादव ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। विद्यार्थियों को वितरित की जाने वाली सामग्रियों की गुणवत्ता सर्वोच्च स्तर की होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि घटिया या निकृष्ट सामग्री देने वाले आपूर्तिकर्ताओं को काली सूची में डाला जाए। उन्होंने वित्तीय अनुशासन पर बल देते हुए कहा कि बजट का समुचित एवं समय पर उपयोग किया जाए और उपयोगिता प्रमाण पत्र भारत सरकार को समय पर भेजा जाए, ताकि अनुदान की आगामी किश्त समय पर राज्य को प्राप्त हो सके।

बैठक में स्कूल शिक्षा सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी एवं समग्र शिक्षा के प्रबंध संचालक श्री संजय झा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से योजनाओं व गतिविधियों की जानकारी दी। मंत्री यादव ने शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए नवाचार और तकनीकी उपयोग पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि स्मार्ट कक्षाएँ, डिजिटल अधिगम, विज्ञान प्रयोगशालाएँ और पुस्तकालय जैसी सुविधाओं का अधिकतम उपयोग किया जाए ताकि विद्यार्थी आधुनिक शिक्षा पद्धति से लाभान्वित हो सकें। साथ ही उन्होंने ऑनलाइन पाठ्यक्रम, डिजिटल अध्ययन सामग्री और शैक्षणिक अनुप्रयोगों के उपयोग से शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि करने के निर्देश दिए। बैठक में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों में शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ व्यावसायिक कौशलों के विकास, उन्हें रोजगार उन्मुख बनाने, समावेशी शिक्षा, बलवाड़ी, खेल एवं शारीरिक शिक्षा, वार्षिक शाला अनुदान, निपुण भारत मिशन, शाला त्यागी बच्चों की पुनर्वापसी, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, राष्ट्रीय आविष्कार अभियान, प्रधानमंत्री विद्यालय, विद्या समीक्षा केंद्र, मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान और रजत जयंती समारोह से जुड़ी गतिविधियों की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

मंत्री श्री यादव ने छात्रावासों, कन्या छात्रावासों और पोटा केबिनों में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। हाल ही में पाकेला (छिंदगढ़ विकासखण्ड) के पोटा केबिन में भोजन में ज़हरीला पदार्थ मिलाने की घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएँ शासन की छवि को गंभीर रूप से नुकसान पहुँचाती हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य नियंत्रण समिति द्वारा राज्य स्तरीय रेड रिबन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

भिलाई के डीपीएस ने प्राप्त किया पहला स्थान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य नियंत्रण समिति द्वारा राज्य स्तरीय रेड रिबन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयुक्त स्वास्थ सेवाएं एवं परियोजना संचालक डॉ प्रियंका शुक्ला के नेतृत्व एवं अतिरिक्त परियोजना संचालक डॉ खेमराज सोनवानी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रथम चरण में रेड रिबन क्विज प्रतियोगिता जिलों में आयोजित हुई जिसमें लगभग 200 स्कूल्स की टीम के मध्य प्रतियोगिता से चयनित होकर 8 जिलों के प्रथम विजेता टीम के मध्य द्वितीय चरण में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ एवं पुरस्कार वितरण डॉ मिथिलेश चौधरी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रायपुर ने किया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान भिलाई से दिल्ली पब्लिक स्कूल ने प्राप्त किया, द्वितीय स्थान डी.ए.वी पब्लिक स्कूल, बैकुंठपुर एवं तृतीय स्थान पर एस.ई.सी रेलवे स्कूल नंबर 01, बिलासपुर रहे। सांत्वना पुरस्कार सेजेस शहीद स्मारक स्कूल रायपुर को प्रदान किया गया। क्विज का संचालन डॉ शबाना नाज सिद्दीकी कार्यक्रम अधिकारी रासेयो सह रेड रिबन क्लब बीआईटी दुर्ग ने किया,निर्णायक का दायित्व डॉ सुनील तिवारी जिला संगठक रासेयो,रायपुर,एवं डॉ रात्रि लहरी, कार्यक्रम अधिकारी , रासेयो सह रेड रिबन क्लब गुरुकुल महिला महाविद्यालय रायपुर ने वहन किया।संयुक्त संचालक आईईसी ने स्वागत उद्बोधन किया।सहायक संचालक यूथ ने धन्यवाद ज्ञापित किया।सभी विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप प्रथम स्थान को रुपए 6000/-, द्वितीय स्थान को 4000/-, तृतीय स्थान को 3000/- तथा सांत्वना पुरस्कार स्वरूप चतुर्थ स्थान को 2000/- की राशि ,ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। प्रथम पुरस्कार प्राप्त टीम को पटना , बिहार में राज्य का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त हुआ।

रजत महोत्सव में छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परंपराओं की झलक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के मौके पर बेमेतरा जिले में रजत महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज नवागढ़ विकासखण्ड के हाई स्कूल मैदान में रजत महोत्सव का आयोजन किया गया। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल इसमें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में छात्राओं को नोनी सुरक्षा योजना और सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत पासबुक और समरसता प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने किसानों को बैटरी संचालित स्प्रे पंप भी प्रदान किए।

सांस्कृतिक प्रस्तुति पुरखा के सुरता से रजत महोत्सव की शुरूआत हुई। इसमें छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, गीत-संगीत और परंपराओं को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया। हमर संस्कृति हमर विरासत की थीम पर आयोजित प्रस्तुतियों ने लोगों को राज्य की सांस्कृतिक धरोहरों से रू-ब-रू कराया। रजत महोत्सव में आयोजित छत्तीसगढ़ फूड फेस्टिवल में पारंपरिक व्यंजनों को प्रदर्शित किया गया।

आयोजन में मौजूद जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लिया। कार्यक्रम स्थल में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में लोगों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में ग्रामीणों और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच की गई।

बलौदाबाजार जिले के किसान ऑयल पाम की खेती की ओर अग्रसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार द्वारा तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु नेशनल मिशन ऑन एडीबल ऑयल पाम संचालित किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में किसानों को ऑयल पाम की खेती हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप जिले के कृषकों में इस नई फसल को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। अब तक विकासखंड सिमगा के ग्राम जरौद में 2 हेक्टेयर एवं भाटापारा के ग्राम बिजराडीह में 6 हेक्टेयर, कुल 8 हेक्टेयर क्षेत्र में ऑयल पाम पौधों का रोपण कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

योजना के अंतर्गत कृषकों को प्रति हेक्टेयर 143 ऑयल पाम पौधों पर 29,000 रुपये की अनुदान राशि दिए जाने का प्रावधान है। पौधों के रखरखाव, खाद-उर्वरक, थाला निर्माण आदि हेतु प्रथम वर्ष से चौथे वर्ष तक 5,250 रुपये प्रतिवर्ष प्रति हेक्टेयर सहायता राशि दी जाएगी। इसके अतिरिक्त राज्य शासन द्वारा 2,625 रुपये प्रति हेक्टेयर टॉप-अप सहायता राशि भी प्रदान की जाएगी। अंतरवर्ती फसल हेतु प्रथम से चौथे वर्ष तक अधिकतम 22,375 रुपये प्रति हेक्टेयर अनुदान राज्य शासन द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है।

सिंचाई सुविधा हेतु न्यूनतम 2 हेक्टेयर क्षेत्र में ऑयल पाम की खेती करने वाले कृषक को एक बोरवेल हेतु 50,000 रुपये तथा प्रति हेक्टेयर अधिकतम 25,000 रुपये प्रति यूनिट की अनुदान सहायता दी जाएगी। इसी प्रकार पम्पसेट हेतु 27,000 रुपये तथा प्रति हेक्टेयर 16,500 रुपये, फेंसिंग हेतु सीमेंट पोल एवं चौनलिंक पर 1,08,970 रुपये प्रति हेक्टेयर, तथा ड्रिप प्रतिस्थापन हेतु 14,130 रुपये प्रति हेक्टेयर के अतिरिक्त 8,635 रुपये टॉप-अप सहायता राशि प्रदान की जा रही है।

ऑयल पाम की खेती से प्रति एकड़ 10 से 12 टन वार्षिक उत्पादन प्राप्त होता है। इस खेती में न्यूनतम श्रम की आवश्यकता होती है तथा पौधों में रोग लगने की संभावना भी कम रहती है। इसके कारण दवाई पर होने वाला व्यय नगण्य रहता है। इस फसल की विशेषता यह भी है कि कृषकों को दलालों से मुक्ति मिलती है क्योंकि उपज का क्रय सीधे अनुबंधित कंपनियों द्वारा किया जाता है।

प्रारंभिक 4 वर्षों में प्रति हेक्टेयर लागत लगभग 25,000 से 30,000 रुपये आती है, जिसके अंतर्गत भूमि तैयारी, पौधरोपण, सिंचाई एवं खाद-उर्वरक सम्मिलित हैं। चौथे से छठे वर्ष तक प्रति हेक्टेयर 70,000 रुपये से 2,70,000 रुपये तक की अनुमानित आय प्राप्त होती है। आंधी, तूफान, अतिवृष्टि या असमय वर्षा से इस फसल को नुकसान की संभावना अत्यंत कम रहती है।

ऑयल पाम का उपयोग खाद्य तेल उत्पादन के साथ-साथ कॉस्मेटिक्स एवं अन्य औद्योगिक उत्पादों में किया जाता है। साथ ही राज्य शासन द्वारा उपज क्रय हेतु संग्रहण केन्द्र की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। जिले के विभिन्न विकासखण्डों में ऑयल पाम रोपण कार्य प्रगतिरत है।

कमार दीदियों की ज़िंदगी में बिहान से जुड़कर आई खुशहाली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में पीएम जनमन ग्राम बल्दाकछार की विशेष पिछडी जनजाति कमार महिलाओं ने बिहान समूह से जुड़कर अपनी आजीविका को नई दिशा दी है। बिहान योजना के अंतर्गत गठित महिला स्व-सहायता समूह की 9 दीदियों ने सामूहिक रूप से बाड़ी और नर्सरी व्यवसाय की शुरुआत कर अपने जीवन में आत्मनिर्भरता और खुशहाली का नया अध्याय लिखा है।

अप्रैल माह से आरंभ किए गए इस कार्य से महज छ: महीनों के भीतर ही समूह ने सब्जियों की बिक्री से लगभग 25 से 30 हज़ार रुपये तक की आमदनी अर्जित की है। यह सफ्लता न केवल उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है बल्कि यह भी दर्शाता है कि संगठित होकर महिलाएं अपने आर्थिक भविष्य को मज़बूत कर सकती हैं। समूह की दीदियों ने बताया कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्हें अपनी क्षमताओं पर भरोसा हुआ और आज वे अपने परिवार की ज़िम्मेदारियों में आर्थिक योगदान दे रही हैं।

वे कहती हैं— प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा चलाई जा रही बिहान योजना ने हमारे जीवन को बदलने का अवसर दिया है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

कच्चे मकान की दीवार ढहने से एक की मौत, एक घायल

जगदलपुर। बीती रात एक कच्चे मकान की दीवार गिरने से 14 वर्षीय छात्र लोकेश नाग की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में मृतक की दादी गंभीर रूप से घायल हो गई है। घटना की सूचना पर सुबह पुलिस मौके पर पहुंची। यह घटना बस्तर जिले के अलनार की है। दरअसल चार कमरे के कच्चे घर में परिवार के 10 सदस्य सो रहे थे। रात करीब ढाई बजे अचानक दीवार ढह गई और मलबे में बच्चा व दादी दब गए। ग्रामीणों ने जैसे-तैसे दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक बच्चे की जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना सुबह नानगुर तहसील को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, लेकिन डॉक्टरों की अनुपस्थिति के चलते परिजनों को करीब 5 घंटे इंतजार करना पड़ा। मजबूरन शव को डिमरापाल अस्पताल ले जाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार किया गया। वहीं दादी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज जारी है।

नशे में युवक ने की खुदकुशी

कोण्डागांव। जिला मुख्यालय के भेलवापदर वार्ड में एक व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 43 वर्षीय मनसुख बघेल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार बुधवार को मनसुख ने अपने परिवार के साथ नवाखाई का त्यौहार मनाया था और इस दौरान शराब का सेवन भी किया था। रात में भोजन कर वह अपने कमरे में सोने चला गया था। सुबह लगभग 8 बजे परिजन जब कमरे में पहुंचे तो उन्होंने मनसुख को फांसी के फंदे पर लटका पाया। सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ की।

ज्वेलरी दुकान में चोरी, चार आरोपी हुए गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने मंदिरहसौद थाना क्षेत्र की ज्वेलरी दुकान में हुई चोरी का खुलासा करते हुए चार शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से चोरी के सोने-चांदी के जेवरात, नगदी रकम और घटना में प्रयुक्त दोपहिया वाहन जब्त किया गया है। बरामद सामान की कुल कीमत लगभग 90 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 369/25 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है।

19 अगस्त 2025 की रात प्रार्थी सुखनंदन कोसले, जो चंदखुरी फार्म रोड पर मिशा ज्वेलर्स नाम से दुकान चलाते हैं, रोजाना की तरह रात 10 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन सुबह लगभग 5:30 बजे गांव के एक युवक रोशन देवांगन ने फोन कर सूचना दी कि उनकी दुकान का शटर और कांच का दरवाजा टूटा हुआ है। सुखनंदन जब मौके पर पहुंचे तो देखा कि शटर उठा हुआ है, कांच का दरवाजा टूटा हुआ है और दुकान का सारा सामान बिखरा पड़ा है। इसके बाद उन्होंने थाना मंदिरहसौद में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने सबसे पहले रेवा उर्फ भक्कू देवार (19 वर्ष) को पकड़ा। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने चोरी की वारदात में शामिल होने की बात कबूल की और अपने साथियों विकास उर्फ लोचा देवार (19 वर्ष), अज्जू देवार (18 वर्ष) और बुधारू उर्फ गुट्टी सोनवानी (18 वर्ष) का नाम बताया। इसके बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की फर्जी आईडी लेकर घूम रहा था युवक कार-ज्वेलरी-नगद सहित 20 लाख का माल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में पुलिस ने एक ऐसे शातिर युवक जो खुद को पुलिस अधिकारी बताकर शहर में घूम रहा था। मामला थाना पुरानी बस्ती क्षेत्र का है। आरोपी की पहचान आशीष घोष पिता प्रसून्न कुमार घोष (31 वर्ष), निवासी हनुमान वाटिका, भाठागांव, रायपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक फर्जी आईडी कार्ड, क्रेटा कार, दो मोबाइल फोन, सोने के जेवर और 1,99,000 रुपये नकद बरामद किए हैं। जब्त संपत्ति की कुल कीमत करीब 20 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस के मुताबिक, पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग अभियान के दौरान क्रेटा कार (क्रमांक सीजी 04 एमएम 0024) को रोका गया। पूछताछ में चालक आशीष घोष संतोषजनक उत्तर नहीं दे सका। जब पुलिस ने गहनता से जांच की तो उसने खुद को पुलिस अधिकारी बताया और पहचान पत्र दिखाया। जांच में सामने आया कि उसके पास मौजूद आईडी कार्ड फर्जी था। आईडी कार्ड पर लिखा था: Card No.: 112/2019 नाम: UMESH

KURREY RankÑ CONSTABLE Valid for Five Years (ADG, EOW/ACB Chhattisgarh) साथ ही कार्ड पर U ANTI CORRUPTION BUREAU EOW CHHATTISGARH अंकित था। लेकिन गौर करने पर पता चला कि आईडी कार्ड पर आरोपी आशीष घोष का ही फोटो चस्पा किया गया था। हस्ताक्षर भी अस्पष्ट थे और कार्ड संदिग्ध प्रतीत हुआ।

कार से मिला नकद, मोबाइल और जेवर पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें से कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। सफेद रंग की टिन की प्लेट, जिस पर अंग्रेजी अक्षरों में संदिग्ध शब्द लिखे थे। लाल रंग के बैग में 1,99,000 रुपये नकद, दो मोबाइल फोन, सोने के जेवर और अन्य सामग्री। इन सभी सामग्रियों की कुल कीमत लगभग 20 लाख रुपये आंकी गई है। लोक सेवक बनकर करता था धोखाधड़ी आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह फर्जी आईडी कार्ड का उपयोग खुद को पुलिस अधिकारी सिद्ध करने के लिए करता था। कार्ड को वह असली परिचय पत्र के रूप में पेश कर धोखाधड़ी और छल करने का प्रयोजन रखता था। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी लंबे समय से इस तरीके से भोली-भाली जनता को गुमराह कर रहा था।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना पुरानी बस्ती में अपराध क्रमांक 366/2025 दर्ज किया है। आरोपी पर धारा 204, 319(2), 336(3), 339, 340(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू की गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। अदालत से आरोपी को पुलिस रिमांड पर भेजा गया है, ताकि उसके मोबाइल फोन और फर्जी आईडी कार्ड से जुड़े साक्ष्य संकलित किए जा सकें। इसके अलावा आईडी कार्ड किसने बनाया और आरोपी किन-किन वारदातों में शामिल रहा है, इसकी भी जांच की जा रही है।

पुलिस ने नागरिकों को दी चेतावनी

वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि आरोपी का नेटवर्क बड़ा हो सकता है और उसके अन्य साथियों की भी तलाश की जा रही है। यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी ने फर्जी आईडी कार्ड का उपयोग कर अब तक कितने लोगों से ठगी की है। पुलिस का कहना है कि लोक सेवक का फर्जी रूप धारण करना गंभीर अपराध है और इससे आम जनता का भरोसा प्रभावित होता है। इसलिए इस तरह के अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद पुलिस ने नागरिकों को चेतावनी दी है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति पर भरोसा न करें, भले ही वह खुद को पुलिस अधिकारी बताए। पुलिस ने कहा कि असली पुलिसकर्मी की पहचान वर्दी, सरकारी वाहन और सही पहचान पत्र से आसानी से की जा सकती है। यदि किसी संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधि पर शक हो तो तुरंत नजदीकी थाने या डायल 112 पर सूचना दें।

शांति व्यवस्था भंग करने वालों पर पुलिस की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम जनता को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस लगातार सख्ती बरत रही है। इसी कड़ी में डोंगरगढ़ क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने के अंदेशे पर पुलिस ने 4 अनावेदकों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। इन सभी मामलों में पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 170/126 और 135(3) के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपियों को हिरासत में लिया और आगे की कानूनी प्रक्रिया में भेजा।

2 सितंबर को सुबह लगभग 10:30 बजे की है। डोंगरगढ़ मटन मार्केट, भगत सिंह चौक के पास प्रिंस निषाद (30 वर्ष), निवासी खंडूपारा डोंगरगढ़ ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए राह चलते व्यक्ति को टक्कर मार दी। इस घटना के बाद वहां विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। प्रिंस निषाद न केवल साक्षियों से उलझ पड़ा, बल्कि आसपास के लोगों द्वारा समझाने पर भी आक्रामक हो गया और मारपीट की स्थिति में आ गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की।

बेवजह गाली-गलौज और धमकी इसी दिन सुबह 10:45 बजे पुलिस को सूचना मिली कि मटन मार्केट, भगत सिंह चौक डोंगरगढ़ में सतीश चक्रवती (24 वर्ष), निवासी कुम्हारपारा डोंगरगढ़ आने-जाने वाले लोगों और दुकानदारों को बेवजह गाली-गलौज कर रहा है। जब स्थानीय लोगों ने उसे रोका तो वह और अधिक आक्रोशित हो गया और धमकाने लगा कि तुम सबको देख लूंगा। स्थिति बिगड़ने से पहले पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़कर उसके खिलाफ बीएनएसएस की धारा 170/126, 135(3) के तहत कार्रवाई की। शराब के नशे में उपद्रव 2 सितंबर को सुबह लगभग 10:30 बजे बाबा चिकन मार्केट, भगत सिंह चौक के पास राजकुमार निषाद (24 वर्ष), निवासी कश्मीरीपारा वार्ड क्रमांक 24, डोंगरगढ़ शराब के नशे में अपनी मोटरसाइकिल चला रहा था। इस दौरान उसने आम लोगों को गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। मोहल्लेवासियों ने जब उसे समझाने की कोशिश की तो वह और भड़क गया और मरने-मारने की धमकी देने लगा। इससे क्षेत्र का माहौल बिगड़ने लगा। पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए राजकुमार को गिरफ्तार किया और प्रतिबंधात्मक धाराओं में केस दर्ज किया।

दोपहर लगभग 2:25 बजे पुलिस को सूचना मिली कि खुटापारा वार्ड क्रमांक-1 निवासी अज्जु खान (42 वर्ष) मोहल्ले में गाली-गलौज कर उपद्रव मचा रहा है। बताया गया कि मोहल्लेवासी उस पर गांजा बेचने का आरोप लगा रहे थे, जिससे वह आक्रोशित होकर लोगों को धमकाने और मारपीट पर उतारू हो गया। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़कर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। इन लगातार चार मामलों में पुलिस ने समय रहते हस्तक्षेप कर बड़ी घटनाओं को टाल दिया। राजनांदगांव पुलिस का कहना है कि शांति व्यवस्था भंग करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे उपद्रवी तत्वों पर तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पारिवारिक विवाद: दामाद ने सास की कर दी हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। सिहावा थाना क्षेत्र के ग्राम हिंछापुर में पत्नी से विवाद के बाद भड़के एक युवक ने अपनी ही सास पर टंगिया से हमला कर दिया। वारदात में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी का नाम सुरेश कमार है, जो कोटाभर्री का रहने वाला है। वह सुबह से ही शराब के नशे में था और अपनी पत्नी कुलेश्वरी मकार के साथ मारपीट कर रहा था। लगातार झगड़े और मारपीट से तंग आकर पत्नी घर से भाग गई। पत्नी की तलाश में सुरेश अपनी सास के घर पहुंचा और उससे पूछताछ करने लगा। इसी दौरान सास ने उसे डांट दिया, जिससे आरोपी गुस्से से आगबबूला हो गया और उसने अपने पास रखे टंगिया से हमला कर दिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने महिला पर कई जगह प्रहार किए। गले पर गहरा वार दाहिने कान के नीचे प्रहार पीठ पर टंगिया से हमला इन वारों से महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतका की पहचान जगोतीन बाई कमार (40 वर्ष), पति गुलापु कमार निवासी हिंछापुर के रूप में हुई है। आरोपी गिरफ्तार घटना की रिपोर्ट ग्राम हिंछापुर निवासी प्रार्थी छोटेलाल ध्रुव (32 वर्ष), पिता कार्तिक राम ध्रुव ने सिहावा थाना में दर्ज कराई। पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई की।

सरगुजा में नेत्रहीन नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला निकला ममेरा भाई, हुआ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र में नेत्रहीन नाबालिग से पांच माह तक रेप करने वाले दो ममेरे भाईयों पुलिस ने तमिलनाडु से गिरफ्तार किया है। आरोपियों में एक नाबालिग है। कई बार रेप किए जाने से बालिका के प्रेग्नेंट होने के बाद मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, सीतापुर क्षेत्र की निवासी नेत्रहीन नाबालिग (14) को उसके माता-पिता ने नेत्रहीन स्कूल में पढ़ने के लिए भर्ती कराया था, लेकिन किन्ही कारणों से उसकी पढ़ाई छूट गई तो उसे माता-पिता ने मामा के घर छोड़ दिया था, जहां वो करीब एक साल से रह रही थी।

कुछ माह पहले बालिका को पेट में दर्द होने लगा तो उसके माता-पिता अपने साथ घर ले गए, जहां उन्होंने लड़की की बीमारी को टोना-टोटका मानते हुए झाड़-फूंक कराया। झाड़-फूंक कराने के कुछ दिन वे नाबालिग को फिर उसके मामा के घर छोड़ गए। कुछ दिनों बाद बालिका का पेट बढ़ने लगा और तबीयत बिगड़ी तो उसके

प्रेग्नेंट होने का खुलासा हुआ। पूछताछ के दौरान लड़की ने आवाज के आधार पर बताया कि, ममेरे भाइयों ने रेप किया है। इनमें से एक उसका सगा ममेरा भाई और दूसरा रिश्ते में ममेरा भाई है। घटना की जानकारी मिलने पर लड़की के माता-पिता उसे लेकर थाने पहुंचे और इस घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 5(2)ए 5(क), 6(5) और बीएनएस की धारा 70(2)के तहत अपराध दर्ज किया।

करीब ढाई माह से दोनों आरोपी फरार थे और वे तमिलनाडु के किसी बोरवेल कंपनी में काम कर रहे थे। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम तमिलनाडु पहुंची। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया और उन्हें लेकर वापस सीतापुर पहुंची। सीतापुर थाना प्रभारी गौरव पांडेय ने बताया कि पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से नाबालिग को बाल सुधार गृह एवं बालिग आरोपी को सेंट्रल जेल भेज दिया गया है। बालिका करीब 7 माह की प्रेग्नेंट है। उसकी तबीयत बिगड़ गई है। उसे परिजनों ने मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में दाखिल किया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

राजधानी में महिला सहित दो सटोरिए गिरफ्तार, सट्टा पर्ची व नगदी जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर की पुलिस ने जुआ और सट्टा गतिविधियों पर शिकंजा कसते हुए खमतराई थाना क्षेत्र में दो सटोरियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने दोनों आरोपियों से सट्टा पट्टी की पर्चियां और 2000 नगद जब्त किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 6 के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने सभी थाना प्रभारियों और एण्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट को जुआ-सट्टा गतिविधियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में पुलिस लगातार पेट्रोलिंग, मुखबिर तैनाती और गुप्त सूचना संकलन कर रही है। खमतराई बाजार में महिला सटोरिया पकड़ी गई पुलिस को 4 सितंबर को सूचना मिली कि खमतराई बाजार के पास एक महिला पर्ची में सट्टा खिला रही है।

सूचना पर खमतराई पुलिस टीम ने मौके पर

पहुंचकर घेराबंदी की और महिला को रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तार महिला ने अपना नाम सुभद्रा उर्फ ज्योति (23 वर्ष), पिता बालेश्वर नाग, मूल निवासी टिटलागढ़ गुमची तारा (उड़ीसा), हाल निवासी डब्ल्यूआरएस कॉलोनी, खमतराई बताया। पुलिस ने उसके कब्जे से सट्टा पर्ची और 900 नगद जब्त किया। भनपुरी रोड से दूसरा आरोपी गिरफ्तार इसी दिन पुलिस को भनपुरी रोड के पास भी सट्टा खिलाए जाने की सूचना मिली। खमतराई पुलिस ने वहां भी दबिश दी और एक युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान निताई विश्वास (40 वर्ष), पिता कालीपदो, निवासी शिव मंदिर के पीछे, डब्ल्यूआरएस कॉलोनी, खमतराई के रूप में हुई। उसके पास से सट्टा पर्ची और 1100 नगद बरामद किया गया।

खमतराई इलाके में लगातार पुलिस की कार्रवाई से सटोरियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के अवैध कारोबार से समाज में अपराध और विवाद की स्थितियां उत्पन्न होती हैं। इसलिए ऐसे मामलों पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी। गिरफ्तार आरोपी सुभद्रा उर्फ ज्योति (23 वर्ष) पिता बालेश्वर नाग, मूल निवासी टिटलागढ़ गुमची तारा (उड़ीसा), हाल निवासी डब्ल्यूआरएस कॉलोनी, खमतराई। निताई विश्वास (40 वर्ष) पिता कालीपदो, निवासी शिव मंदिर के पीछे, डब्ल्यूआरएस कॉलोनी, खमतराई। दोनों आरोपियों के खिलाफअपराध क्रमांक 1009/25 और 1010/25 दर्ज किया गया है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
Phone No.:- 07749-222370 Email Id:- ee-res.balod@gov.in

(E-Tender) सूचना प्रथम बार

क्रमांक/06/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2025-26 बालोद, दिनांक 03.09.2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में 'डी' वर्ग एवं उच्च श्रेणी में ठेकेदारों पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र- 'अ' पर दर्शित कार्य हेतु प्रतिशत दर प्राप्त करने ऑनलाईन ई- निविदा दिनांक 17.09.2025 तक आमंत्रित की जाती है. कार्य पूर्ण करने की अवधि 06 माह वर्षा ऋतु सहित

क्र	कार्य का नाम एवं स्थल	ठेके की अनुमानित लागत लाख रु. में	धरोहर राशि रु. में
1	2	3	4
1.	महतारी सदन निर्माण कार्य जिला बालोद सिस्टम टेण्डर नं. 174784 ग्राम पंचायत करहीभदर, विकासखण्ड बालोद सिस्टम टेण्डर नं. 174785 ग्राम पंचायत कुलिया विकासखण्ड गुरुर. सिस्टम टेण्डर नं. 174789 ग्राम पंचायत सुरेगांव सिस्टम टेण्डर नं. 174795 ग्राम पंचायत जेवरतला रोड विकासखण्ड डौण्डीलोहारा (विद्युतीकरण कार्य को छोड़कर)	प्रत्येक कार्य हेतु 26.79	प्रत्येक कार्य हेतु 26800/-

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई- प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 03.09.2025 से देखी जा सकती है.

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला बालोद (छ.ग.)

जी - 252603258/4

संस्कृति एवं परंपरा को जीवंत बनाए रखना न केवल हमारी जिम्मेदारी बल्कि नैतिक कर्तव्य भीः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय विगत दिवस मुख्यमंत्री निवास, नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ आदिवासी कंवर समाज युवा प्रभाग रायपुर द्वारा आयोजित प्रकृति पर्व भादो एकादशी व्रत 2025 करमा तिहार कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने पारंपरिक विधान से पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति हमारे पूर्वजों की अमूल्य धरोहर है। इस संस्कृति एवं परंपरा को जीवंत बनाए रखना न केवल हमारी जिम्मेदारी, बल्कि नैतिक कर्तव्य भी है। ऐसे पर्व और परंपराएँ समाज को एकजुट होने का अवसर देती हैं, जिससे स्नेह, सद्भाव एवं सौहार्द की भावना विकसित होती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि कंवर समाज के युवाओं द्वारा राजधानी रायपुर में करमा तिहार का आयोजन किया जा रहा है। हमारी आदिवासी संस्कृति में अनेक प्रकार के करमा तिहार मनाए जाते हैं। आज एकादशी का करमा तिहार है, जो हमारी कुंवारी बेटियों का पर्व है। इस करमा तिहार का उद्देश्य है कि हमारी बेटियों को उत्तम वर और उत्तम गृहस्थ जीवन मिले। भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर बेटियाँ अच्छे वर और अच्छे घर की कामना करती हैं। इसके बाद दशहरा करमा का पर्व आता है, जिसमें विवाह के पश्चात पहली बार जब बेटी मायके आती है, तो वह उपवास रखकर विजयादशमी का पर्व मनाती है। इसी प्रकार जियुत पुत्रिका करमा मनाया जाता है, जिसमें माताएँ पुत्र-पुत्रियों के दीर्घायु जीवन की कामना करती हैं। यह एक कठिन व्रत होता है, जिसमें माताएँ चौबीस घंटे तक बिना अन्न-जल ग्रहण किए उपवास करती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यदि छत्तीसगढ़ की बात करें तो यहां अंग्रेजों के विरुद्ध 12 आदिवासी क्रांतियाँ हुईं। हमारी सरकार नया रायपुर स्थित ट्राइबल म्यूजियम में आदिवासी संस्कृति के महानायकों की छवि को आमजन की जागरूकता के लिए प्रदर्शित करने मॉडल के रूप में उकेरा जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने पर आयोजित रजत जयंती समारोह में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया जा रहा है। उनके करकमलों से इस म्यूजियम का शुभारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार आदिवासी समाज के सशक्तिकरण पर विशेष जोर देती रही है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने आजादी के लगभग 40 वर्षों बाद आदिवासी विभाग का पृथक मंत्रालय बनाकर आदिवासी समाज के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हीं के बताए मार्ग पर वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी आदिवासी समाज के बेहतरी एवं समग्र विकास के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं विशेष पिछड़ी जनजाति समाज के लिए पीएम जनमन योजना का संचालन कर रहे हैं, जिससे हितग्राहियों को शत-प्रतिशत योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में 15 वर्षों तक मुख्यमंत्री रहे डॉ. रमन सिंह ने बस्तर, सरगुजा एवं मध्य क्षेत्र प्राधिकरण का गठन कर विकास को गति प्रदान करने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री साय ने आगे कहा कि युवा आदिवासियों को स्वरोजगार से जोड़ते हुए आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से हमने नई उद्योग नीति बनाई है, जिसमें बस्तर एवं सरगुजा क्षेत्रों के लिए विशेष रियायतें दी गई हैं। साथ ही यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आदिवासी बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में कोई कठिनाई न हो। इसके लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना राज्य में ही की जा रही है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी आदिवासी संस्कृति अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली परंपरा रही है। इसी परंपरा के निर्वहन में आज हम करमा तिहार मना रहे हैं। हमारी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। साय जी के नेतृत्व में ही बस्तर संभाग में बस्तर पांडुम के नाम से ओलंपिक का आयोजन किया गया, जिसकी चर्चा पूरे भारत में हुई। श्री कश्यप ने इस अवसर पर समस्त छत्तीसगढ़वासियों को प्रकृति पर्व भादो एकादशी व्रत करमा तिहार की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

संरक्षक, अखिल भारतीय कंवर समाज विकास समिति पमशाला, जशपुर, श्रीमती कौशिल्या साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासी समाज और प्रकृति एक-दूसरे के अभिन्न अंग हैं। आदिवासी समाज के लिए प्रकृति सदैव आराध्य रही है। करमा पर्व प्रकृति प्रेम का पर्व है। हमारी संस्कृति अत्यंत गौरवशाली रही है और उसका संरक्षण तथा समय के साथ संवर्धन आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि समाज की महिलाएँ आगे आकर इस संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने सभी को प्रकृति पर्व भादो एकादशी व्रत करमा तिहार की बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

लुत्ती बांध के टूटने पर मुख्यमंत्री साय ने जताई गहरी नाराजगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बलरामपुरङ्करामानुजगंज जिले में स्थित लुत्ती बांध के टूटने की घटना पर गहरी नाराज़गी व्यक्त की। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में इस तरह की गलती किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्री साय ने नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि मैदानी अधिकारी और कर्मचारी फील्ड में जाकर नियमित निरीक्षण नहीं कर रहे हैं, जिसके कारण यह स्थिति बनी है।

उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सतत रूप से फील्ड में जाकर बांधों सहित अन्य संरचनाओं का निरंतर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में जल संसाधन विभाग की गहन समीक्षा बैठक ली। उन्होंने सिंचाई परियोजनाओं के रखरखाव और मरम्मत पर विशेष ध्यान देने, सभी बांधों की जलभराव क्षमता, वर्तमान सिंचाई स्थिति और आगामी परियोजनाओं की प्रगति आदि के सम्बन्ध में अधिकारियों को आवश्यक दिशाङ्गनिर्देश दिए। साथ ही विशेष रूप से बांध सुरक्षा अधिनियम 2021 का कड़ाई से पालन करने तथा जिला प्रशासन के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने लक्षित सिंचाई क्षमता और वास्तविक सिंचाई क्षमता के बीच अंतर को कम करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेषकर बस्तर और सरगुजा संभाग की अधूरी योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने तथा निर्माणाधीन वृहद परियोजनाओं को समय पर पूरा करने पर बल दिया, ताकि किसानों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

बैठक में विभागीय अधिकारियों ने जानकारी दी कि वर्तमान में 04 वृहद परियोजनाएँ, 357 लघु परियोजनाएँ और 300 एनीकेट, इस प्रकार कुल 661 कार्य प्रगतिरत हैं।

इसके अतिरिक्त 1036 जीर्णोद्धार कार्य भी चल रहे हैं। इस तरह कुल 1697 कार्य प्रगतिरत हैं, जिनमें लगभग 8966 करोड़ की राशि व्यय होगी।

इस बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव रवि मित्तल, जल संसाधन विभाग के सचिव राजेश सुकुमार टोप्पो, प्रमुख अभियंता इंद्रजीत उईके तथा बस्तर, सरगुजा, बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग मंडलों के मुख्य अभियंता सहित जल संसाधन विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में अब केवल अधिकृत पोर्टल से ही भरें आरटीओ ई-चालान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। परिवहन विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने वाहन से संबंधित किसी भी आरटीओ ई- चालान का भुगतान केवल परिवहन विभाग की अधिकृत वेबसाइट https//echal-lan.parivahan.gov.in के माध्यम से ही करें। परिवहन विभाग ने बताया है कि हाल ही में कुछ धोखाधड़ी के मामले सामने आए हैं, जिनमें लोगों को नकली संदेश या मेल भेजकर चालान राशि जमा कराने का प्रयास किया गया है। ऐसे प्रकरणों से बचने के लिए नागरिक किसी भी अनधिकृत वेबसाइट या लिंक पर भुगतान न करें। चालान की जानकारी प्राप्त करने के लिए वाहन मालिक विभागीय वेबसाइट पर जाकर पे -आन लाइन विकल्प का चयन करें। वाहन नंबर और चेसिस नंबर/इंजन नंबर के अंतिम चार अंक डालने पर चालान से संबंधित संपूर्ण विवरण प्राप्त किया जा सकता है। इसके बाद नागरिक सीधे ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। यदि किसी प्रकार की शिकायत हो तो नागरिक निकटतम पुलिस थाना या परिवहन विभाग में तत्काल शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

सरकार उच्च शिक्षा में नवाचार और गुणवत्ता सुधार के लिए प्रतिबद्ध : मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने आज नवा रायपुर स्थित महानदी भवन में उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री वर्मा ने राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण तथा रोजगारोन्मुख बनाने के लिए विभागीय अधिकारियों को सतत प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागीय समितियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर नई योजनाओं को समयबद्ध ढंग से क्रियान्वित किया जाए। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, आयुक्त डॉ. संतोष कुमार देवांगन सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मंत्री वर्मा ने युवाओं के हित में पाठ्यक्रम सुधार, प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण तथा ऑनलाइन कैरियर काउंसलिंग जैसी व्यवस्थाएँ लागू करने की बात कही। इसके साथ ही केन्द्र प्रायोजित योजनाओं पर कार्ययोजना बनाकर शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने नवीन महाविद्यालयों की स्थापना,नवीन 33 पदों की स्वीकृति के साथ महाविद्यालयों में सेटअप के पदों की समीक्षा,सहायक प्राध्यापक से प्राचार्य पदों पर पदोन्नति, आधुनिक पाठ्यक्रमों का सेटअप जैसे विषयों पर प्राथमिकता से काम करने कहा। इसके अतिरिक्त उन्होंने वर्तमान में महाविद्यालय के 103 भवनों के निर्माण के बारे में जानकारी ली। मंत्री श्री वर्मा ने वर्ष 2025-26 में स्वीकृत 22 नवीन महाविद्यालयों के भवन,सेटअप और विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारें में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उच्च शिक्षा विभाग प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर संसाधन उपलब्ध कराए। अंत में उन्होंने अधिकारियों से विभागीय कार्ययोजनाओं और प्रगति की नियमित समीक्षा कर योजनाओं को धरातल पर उतारनें के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर त्वरित अमल : बाढ़ पीड़ितों को राशन-ईलाज के साथ अब जरूरी दस्तावेज बनाने का काम भी शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर संभाग में पिछले सप्ताह हुई अतिवृष्टि ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया था। अपने विदेश दौरे से लौट कर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दंतेवाड़ा पहुंचकर संभागीय बैठक में जिला कलेक्टरों को राहत और बचाव कार्यो में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिये थे। अब मुख्यमंत्री के इस निर्देश पर तेजी अमल किया जा रहा है।

बाढ़ पीड़ित नागरिकों को जहां एक ओर राशन, ईलाज और दवाईयां के साथ-साथ गैस चुल्हे और सिलेण्डर दिये गये हैं वहीं राहत शिविरों में उनके दैनिक जीवन की उपयोगी सभी व्यवस्थाएं भी की गई है। अब बाढ़ का पानी उतरने के साथ ही नुकसान का वास्तविक आंकलन और अन्य जरूरी सहायता तथा मुआवजा देने की कार्यवाही पर भी तेजी से अमल किया जा रहा है। बाढ़ के पानी में खराब या नष्ट हो गये जरूरी दस्तावेजों को बनाने का काम भी राजस्व विभाग ने शुरू कर दिया हैं। बाढ़ की इस भीषण आपदा में छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय नेतृत्व में एक संवेदनशील पहल कर त्वरित राहत कार्य और सहायता-मुआवजे की प्रक्रिया शुरू कर पीड़ित परिवारों को एक बड़ी राहत दी है।

बाढ़ से प्रभावित गाँवों में राहत दल तेजी से काम कर रहे हैं। इसके साथ ही प्रभावित गांवों में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बस्तर जिले के लोहन्डीगुड़ा तहसील के मांदर गांव के प्रभावित किसानों को किसान किताब वितरित की जा रही है, जो बाढ़ के कारण बह गई थी। किसान किताब के मिलने से किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और भविष्य में किसी भी सहायता के लिए पात्र बनने में मदद करेगी। वहीं प्रभावितों को नवीन राशन कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड एवं बैंक पासबुक तैयार कर प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही जिला प्रशासन की टीमें नुकसान का आकलन करने के लिए घर-घर सर्वे कर रही हैं और पात्रता के अनुसार तत्काल राहत राशि सीधे उनके खातों में ट्रांसफर कर भुगतान कर रही हैं।

सरकार का ध्यान इस बात पर है कि किसी भी पीड़ित परिवार को उनकी जरूरत के समय अकेला न छोड़ा जाए। इसके लिए, मकान क्षति सहित पशु, फसल और घरेलू सामग्री की क्षति का विस्तृत ब्यौरा तैयार कर, हर एक प्रकरण पर गंभीरता से काम किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है, ताकि जरूरतमंद प्रभावितों तक मुआवजा राशि सीधे और समय पर पहुँच सके।

स्थानीय प्रभावित परिवारों ने सरकार की इस पहल की सराहना की है। एक प्रभावित ग्रामीण मुरहा पटेल ने कहा कि हमने सोचा था कि बाढ़ के बाद सब कुछ खत्म हो गया, लेकिन सरकार की इस त्वरित मदद ने हमें फिर से जीवन को नये सिरे से शुरू करने की उम्मीद दी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिला आधिकारियों की इस पहल को प्रशासन की ओर से एक मजबूत और मानवीय दृष्टिकोण के रूप में देखा जा रहा है। जो यह दर्शाता है कि आपदा की घड़ी में सरकार न सिर्फ राहत कार्य बल्कि पुनर्वास और भविष्य की सुरक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध है। बाढ़ पीड़ितों को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह से सहारा देते हैं, जिससे उन्हें जीवन को सामान्य पटरी पर लाने में मदद मिलती है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950